सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मैं 22 वर्ष की उम्र से कप्तानी कर रहा हूं, मुझे इसमें मजा आता है -पेज: 7

श्रीलीला को साउथ में झटका, दो बड़ी फिल्मों से हुई बाहर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 62 | मंगलवार 10 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

'आज जनता खुद कहती है - मोदी है तो मुमकिन है', जेपी नड्डा ने गिनाई मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियां

मोदी सरकार 3.0 ने आज अपना एक साल पूरा कर लिया है। साथ ही, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मोदी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा के...

नई दिल्ली (एजेंसी): मोदी सरकार 3.0 ने आज अपना एक साल पूरा कर लिया है। साथ ही, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मोदी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा के दृष्टिकोण पर बात की। उनके साथ पार्टी महासचिव सुनील बंसल, कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। जेपी नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को बताया ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के विकास के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने वाला काम किया है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीतिक संस्कृति को पूरी तरह बदल दिया है। नड्डा ने कहा, 'हमारी सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली सरकार रही है। आज जनता खुद कहती है - मोदी है तो मुमकिन है।' कांग्रेस सरकार पर निशाना जेपी नड्डा ने कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और कहा कि 2014 से पहले की सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई थी और आम जनता के मन में यह भावना थी कि कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद देश का नजरिया पूरी तरह बदल गया। उन्होंने कहा, 'हमने सिर्फ सोच बदली ही नहीं, बल्कि देश को एक नई दिशा दी जिससे भारत आज दुनिया की टॉप 4 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।' आर्टिकल 370 हटाना सबसे बड़ा ऐतिहासिक फैसला नड्डा ने मोदी सरकार द्वारा लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि आर्टिकल 370 हटाना सरकार का एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम था। उन्होंने बताया कि देश मान चुका था कि यह संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने यह चुनौती पूरी कर दिखायी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव में भी 63 प्रतिशत वोटर टर्नआउट हुआ, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार बीजेपी अध्यक्ष ने बताया कि मोदी सरकार ने तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर महिलाओं को सम्मान और अधिकार दिए हैं। साथ ही देश के समुदायिक और सामाजिक ढांचे को मजबूत करने के लिए नया वक्फ कानून बनाया गया। नड्डा ने यह भी कहा कि सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), नोटबंदी, महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आर्थिक प्रगति पर भी जोर दिया और कहा कि मोदी सरकार की नीतियों की वजह से भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार, निर्यात और विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। टैक्स संग्रह में 238 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था ने नई ऊंचाइयां छुई हैं।

क्या अवध ओझा लड़ेंगे यूपी विधानसभा चुनाव ? इस तस्वीर से गमार्या सियासी माहौल

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में विधानसभा का चुनाव भले ही अभी बहुत दूर है, लेकिन सभी राजनीतिक पार्टियां अभी से पटकथा लिखना शुरू कर दी हैं। प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव से दमखम आंकने की तैयारी की जा रही है। क्योंकि पंचायत चुनाव के परिणाम पर ही कई विधायक उम्मीदवारों की नींव टिकी होगी। इसी बीच एक सियासी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फोटो है आम आदमी पार्टी के नेता और मशहूर शिक्षक अवध ओझा और अखिलेश यादव की। यह फोटो कब की है इसकी पुष्टि नहीं है, लेकिन इसको लेकर सियासी माहौल गर्म हुआ है। कई लोग यहां तक कयास लगा रहे हैं कि कहीं 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में अवध ओझा एंट्री तो नहीं करने वाले हैं। खबर है कि शिक्षक से नेता बने अवध ओझा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। जानकारों की माने तो अवध ओझा जल्द ही सपा में शामिल हो सकते हैं। अवध ओझा के दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद अब यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चाएं चल रही है। अवध ओझा प्रयागराज या गोंडा जिले की किसी सीट से हाथ आजमा सकते हैं।

आखिर क्यों अटक गया हरियाणा में नए जिले बनने का काम? जानिए इसके पीछे की वजह

हरियाणा में 5 नए जिले बनाने का फैसला फिर से रूक गया है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह जातिगत जनगणना सामने आया है। दरअसल हरियाणा समेत पूरे देश में जाति आधारित जनगणना होनी है।

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा में 5 नए जिले बनाने का फैसला फिर से रूक गया है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह जातिगत जनगणना सामने आया है। दरअसल हरियाणा समेत पूरे देश में जाति आधारित जनगणना होनी है। उसके बाद परिसीमन शुरू हो जाएगा, जिसमें लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ना तय है। हालांकि सरकार ने नए जिलों को बनाने का काम कैबिनेट सब कमेटी को दिया है। कमेटी ने इसे लेकर 15 जून, 2025 को लास्ट मीटिंग बुलाई है, जिसमें नए जिलों के निर्माण की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेज दी जाएगी। बता दें प्रदेश में अभी 22 जिले हैं। लेकिन हिसार का हांसी, सिरसा का डबवाली, करनाल का असंध, जींद का सफीदों, गुरुग्राम के मानेसर और सोनीपत का गोहाना को नए जिले बनाने की मांग की जा रही है। इनमें से गोहाना, असंध, डबवाली और हांसी को जिला बनाने की मांग जनप्रतिनिधि अलग-अलग समय पर विधानसभा में भी कर चुके हैं। इसके अलावा गुरुग्राम के मानेसर को भी जिला बनाने की मांग उठी है। हालांकि, इसके पूरे दस्तावेज न पहुंचने से इस पर अगली बैठक में फैसला लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना करवाने की घोषणा की है, जिसका मतलब साफ है कि जातिगत जनगणना की प्रक्रिया के बीच किसी भी नए जिले, उपमंडल का गठन व पुनर्गठन नहीं होगा। कैबिनेट सब कमेटी ने की 5 बैठकें हरियाणा सरकार की ओर से गठित कैबिनेट सब कमेटी का कार्यकाल 30 जून को पूरा होने जा रहा है। नये जिले बनाने को लेकर सब-कमेटी की अब तक 5 बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में नये जिलों के संबंध में आई मांग की स्टडी के लिए संबंधित प्रशासन को निर्देश दिए जा चुके हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में छाए लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को मिली एक और जिम्मेदारी, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बनाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी): पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई मीडिया में लगातार सुर्खियां बटोर रहे थे। पाकिसतान के डीजीएमओ ने सीजफायर के लिए राजीव घई को ही फोन किया था। वहीं, अब राजीव घई से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। भारत सरकार ने उन्हें डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त किया है। इसके साथ ही वो भारत के डीजीएमओ के पद पर भी कार्यरत रहेंगे। रक्षा मंत्रालय ने दी जानकारी रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक बयान के साथ इस खबर की पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारतीय सेना और खुफिया एजेंसी समेत अन्य अहम विभागों के बीच सामंजस्य बिठाने के लिए डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रैटजी) की पोस्ट बनाई गई है। यह भारतीय सेना के अहम पदों में से एक होगा। बता दें कि 4 जून को हुए रक्षा अलंकरण समारोह 2025 के दौरान लेफ्टिनेंट राजीव घई को उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लीड किया था। पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन ने सीजफायर के लिए लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन किया था, जिसके बाद 12 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का एलान किया था। मणिपुर का किया था दौरा फरवरी में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई मणिपुर का भी दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने भारत म्यांमार सीमा का भी जायजा लिया था। मणिपुर दौरे के दौरान उन्होंने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मुख्य सचिव और डीजीपी से भी मुलाकात की थी। कौन हैं लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई बता दें कि लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई कुमाऊं रेजीमेंट के वरिष्ठ अधिकारी हैं। भारतीय सेना में सेवा के दौरान उन्होंने कई बड़े ऑपरेशन को लीड किया है। डीजीएमओ बनने से पहले वो चिनार कोर के जीओसी रह चुके हैं। खासकर जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कई मिशन में राजीव घई की अहम भूमिका रही है।

सोनम ने सुपारी देकर पेशेवर हत्यारों से करवाया राजा का मर्डर! तीन आरोपी गिरफ्तार चौथे की तलाश जारी...

इंदौर (एजेंसी): मध्य प्रदेश के इंदौर से शिलांग हनीमून पर गए मिसिंग कपल के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मेघालय डीजीपी आई नोंगरांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर राजा का मर्डर कराया। इससे पहले मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने पोस्ट में जानकारी दी कि वारदात में शामिल 3 हमलावरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। हमलावर मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं। फिलहाल एक अन्य हमलावर की तलाश जारी है। मेघालय पुलिस ने प्रेस रिलीज कर बताया है कि राजा मर्डर मामले में मध्यप्रदेश के इंदौर से दो जबकि उत्तर प्रदेश के ललितपुर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आपको बता दें कि सोनम रघुवंशी और उसके पापा की कंपनी में कर्मचारी राज कुशवाह की बीच अफेयर की खबरें सामने आ रही हैं। इसी के चलते पति राजा की हत्या की साजिश भी रची गई। राजा को प्रेमजाल में फंसाकर शिलांग ले जाया गया, जहां उसे सुनियोजित तरीके से मौत के घाट उतार दिया गया। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई. परिवार खुश था, रिश्तेदारों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और 20 मई को दोनों शिलांग हनीमून के लिए रवाना हो गए। 22 मई को कपल नोंग्रियाट गांव के शिपारा होमस्टे में रुका। अगले दिन सुबह 6 बजे चेकआउट किया और तभी से दोनों के मोबाइल बंद हो गए। 24 मई को मवालखियत से करीब 25 किमी दूर ओसरा हिल्स की पार्किंग में स्कूटी लावारिस मिली। इसके बाद जंगल में राजा और सोनम का सामान मिला और 2 जून को राजा की लाश वेईसावडॉन्ग झरने के पास गहरी खाई में मिली। हाथ पर बने टैटू से पहचान हुई। इस बीच 9 जून की को बजे के बीच सोनम गाजीपुर के नंदगंज इलाके में एक ढाबे पर पहुंची। वहां से उसने ढाबा संचालक का फोन लेकर अपने भाई को वीडियो कॉल की और बताया कि वह गाजीपुर में है।

चुनाव आयोग पर 'मैच फिक्सिंग' का आरोप लगाने के बाद अब राहुल गांधी करने लगे तारीफ, बोले- डेटा जल्दी करें शेयर

राहुल गांधी ने की चुनाव आयोग की तारीफ वोटर लिस्ट का डिजिटल डेटा जल्द उपलब्ध कराने की मांग भी की।

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को चुनाव आयोग की ओर से हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए वोटर लिस्ट के आंकड़ों को साझा करने के कथित फैसले की सराहना करते हुए इसे "एक अच्छा पहला कदम" बताया। इसके साथ चुनाव आयोग से गुजारिश की है कि वह एक तय तारीख का एलान करें, जिस दिन डेटा को डिजिटल, मशीन रिडेवल फॉर्मेट में सौंप दिया जाएगा। चुनाव आयोग की राहुल गांधी करने लगे तारीफ लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें दावा किया गया है कि चुनाव आयोग ने इस साल की शुरूआत में दिल्ली हाईकोर्ट को दिए गए आश्वासन के बाद हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए 2009 से 2024 तक वोटर लिस्ट के आंकड़ों को साझा करने का रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, इस कथित कदम पर चुनाव आयोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, "वोटर लिस्ट सौंपने के लिए चुनाव आयोग की ओर से उठाया गया ये पहला अच्छा कदम है।" कांग्रेस नेता राहुल गांधी सवालिया लहजे में कहा, "क्या चुनाव आयोग कृपया उस सटीक तारीख की घोषणा कर सकता है, जिस दिन यह डेटा डिजिटल, मशीन रिडेवल फॉर्मेट में सौंप दिया जाएगा?" राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते कई अखबारों में लेख के जरिए पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित धांधली का आरोप लगाया था और चुनाव के संदर्भ में 'मैच फिक्सिंग' जैसे शब्द का इस्तेमाल किया था। इस पर चुनाव आयोग के सूत्रों ने रविवार को कहा कि संवैधानिक निकाय (यानी) तभी जवाब देगा, जब विपक्ष के नेता सीधे उसे लिखेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अपने संपर्क अभियान के तहत चुनाव आयोग ने सभी छह राष्ट्रीय दलों को अलग-अलग बातचीत के लिए बुलाया था। इस न्योते पर पांच दलों ने चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की, लेकिन कांग्रेस ने 15 मई की बैठक रद कर दी। चुनाव आयोग के सूत्रों की ओर से महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के उनके आरोपों को खारिज किए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि टालमटोल करने से विश्वसनीयता की रक्षा नहीं होगी, बल्कि सच बोलने से इसकी रक्षा होगी।

'कोई भी खर्च दिल्ली वालों की जान से ज्यादा कीमती नहीं', सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- डरकर पंजाब में बैठे हैं एएपी नेता

सीएम ने आप सरकार पर साधा निशाना प्रदूषण नियंत्रण के लिए हर संभव प्रयास यमुना सफाई और विकास कार्यों का उल्लेख

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्र सरकार के 11 वर्ष व दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र स्थित ओल्ड पंखा रोड में आयोजित संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की मुख्यमंत्री ने एक ओर जहां प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाई तो दूसरी ओर पूर्व की आप सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदूषण की समस्या पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या से निदान के लिए चाहे जितना खर्च करना पड़े, हम करेंगे, क्योंकि कोई भी खर्च दिल्ली वालों की जान से ज्यादा कीमती नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व में आप की सरकार के दौरान जो मंत्री थे, वे आज डरकर दिल्ली के बजाय पंजाब में बैठ गए हैं। पहले की सरकार की प्रचार में थी दिलचस्पी-सीएम पहले की सरकार की मंशा काम करवाने की नहीं थी, उनकी दिलचस्पी काम में नहीं प्रचार में होती थी। विफलताओं का ठीकरा वे कभी केंद्र सरकार तो कभी उपराज्यपाल के सिर पर फोड़ते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री व जनकपुरी के विधायक आशीष सूद, पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए यमुना की सफाई, आयुष्मान कार्ड, प्रदूषण की रोकथाम को लेकर हो रहे उपाय सहित विकास से जुड़ी योजनाओं का जिक्र किया। यातायात से जुड़ी समस्याओं से दिल्ली की निजात दिलाने के लिए सवा लाख करोड़ की परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। यमुना को साफ करना हमारा एक प्रमुख लक्ष्य यमुना में जो काले काले पानी वाले नाले गिरते थे, उन्हें लगातार साफ किया जा रहा है। पिछले 100 दिनों में इन नालों से लगभग 20 लाख मीट्रिक टन गाद निकाला जा चुका है। यमुना को साफ करना हमारा एक प्रमुख लक्ष्य है। वायु प्रदूषण के मामले में पहले की सरकार कोई काम नहीं करती थी। आड इवेन करती थी, जिसपर एक रुपया खर्च नहीं होता था, लेकिन प्रचार में करोड़ों खर्च कर दिए जाते थे। लेकिन अब सरकार लगातार काम कर रही है। सड़कों पर 1000 वाटर स्प्रिंकलर शुरू किए गए हैं ताकि हवा से धूल जमीन पर गिर जाए। बहुमंजिला ऊंची इमारतों पर एंटी स्माक गन लगाए जा रहे हैं। हमलोग कृत्रिम बादल से वर्षा कराने की योजना को मंजूरी दे चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकार के कार्यकाल में जनता छोटी छोटी आशाएं सरकार से पूरी हो, इसकी ख्वाहिश रखती थी। लेकिन तब छोटी छोटी आशाएं भी पूरी नहीं होती थी। लेकिन अब हमलोगों ने छोटी छोटी आशाओं को जनता का बड़ा आदेश माना है और पहले दिन से ही उन आशाओं को पूरा करने में जुट गए। कैबिनेट की पहली बैठक में ही आयुष्मान योजना को मंजूरी दी गई। हमें लाभ की नहीं जनता के हित की फिक्र है। पहले की सरकार सरकारी लाभ को अपने बोरे में भर लेते थे। तभी तो आप सरकार के मंत्री डरकर पंजाब में बैठ गए। आज उन्हें हमारे काम देखकर तकलीफ होती है। उनके विधायक घर से नहीं निकलते थे, सरकार का मुखिया अपने शीशमहल से बाहर नहीं निकलता था पर हम बैठे नहीं है। काम कर रहे हैं। यह फर्क है आप की सरकार और आपकी अपनी सरकार में। आशीष सूद ने मंच से जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के गठन को अभी 100 दिन ही पूरे हुए हैं

संपादकीय

अधिकारों का प्रयोग

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग के आरोप में लिखे लेख पर चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया दी।चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया। कहा कि अनुकूल चुनाव परिणाम न मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका है। गांधी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्ल्यूप्रिंट था, जो बिहार में होने वाले चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने लिखा, मैच फिक्स किए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वह भले ही जीत जाए मगर इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है।

आयोग ने अपने बयान में कहा, कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि हजारों प्रतिनिधियों को बदनाम और लाखों कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। राहुल ने आयोग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा-आप संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर वाले, टालमटोल वाला नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। हालांकि राहुल को आरोपों के पुख्ता सबूत देने के प्रयास भी करने चाहिए। महाराष्ट्र के मतदाताओं में 8प्र. की वृद्धि पर कांग्रेस ने उसी वक्त आपत्ति दर्ज की थी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चुनाव में करारी हार को विपक्ष गले नहीं उतार पा रहा। इसलिए आरोप गढ़ कर मोदी सरकार को बदनाम करने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित संवैधानिक निकाय होने के बावजूद मोदी सरकार के विभिन्न निर्णयों के बाद कई मौकों पर विवादों में आता रहा है। स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव का दारोमदार अंततः आयोग पर होता है। मगर पूर्व में चुनाव आयुक्त रह चुके सुकुमार सेन, टीएन शेषन और जेएम लिंग्दोह की तरह कोई भी संस्था की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने में सफल नहीं हो सका। बात भाजपा नेताओं के सांप्रदायिक भाषणों की हो, इलेक्टोरल बॉन्ड् या वोट संख्या की बजाय प्रतिशत जारी करने की, बार-बार आयोग पर पक्षपाती होने का आरोप लगा जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। उसे पक्षपाती नहीं होना चाहिए। नियमों की अनदेखी या उपेक्षा पर सभी दलों को फटकार लगाने और जवाबतलबी में संकोच नहीं करना चाहिए। राजनेताओं के तरीके बदल रहे हैं। वे वोट के लोभ में असंवैधानिक और निंदनीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वोट प्राप्ति के लिए दांव-पेंच करते हैं जिस पर आयोग को कड़ी आपत्ति करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।
तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।
प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भीड़ में फंसा प्रबंधनः जिम्मेदार कौन?

सोनम लववंशी

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत का जश्न जिस हर्षोल्लास से शुरू हुआ, वह कुछ ही पलों में भगदड़ और चीख-पुकार में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उमड़े लाखों समर्थकों का हुजूम एक बार फिर उस कटु यथार्थ को सामने ले आया जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं–भीड़ प्रबंधन में हमारी विफलता। घायल लोगों की चीखें, रुंधती सांसें और कुछ की थमती धड़कनें सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता की परछाई थीं, जो हर बार चेतावनी के बावजूद सचेत नहीं होती। सवाल वही पुराना है कि आखिर जिम्मेदार कौन? क्योंकि 'भीड़' एक ऐसा शब्द है जो सुनने में सामान्य लगता है, लेकिन जब यह नियंत्रण से बाहर हो जाए तो एक भयावह शक्ति बन जाती है। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का घनत्व हर क्षेत्र में साफ दिखता है, वहां हर बड़ा आयोजन, चाहे वह धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो या राजनीतिक, संभावित खतरे का पर्याय बन चुका है। मगर हैरानी इस बात की है कि हर बार, हर हादसे के बाद, हम एक जैसे सवाल पूछते हैं और फिर सबकुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है।
कोई भी भीड़ अचानक नहीं बनती। वह किसी उद्देश्य, भावना या आस्था के तहत एकत्र होती है। परंतु त्रासदी तब जन्म लेती है जब उसे नियंत्रित करने वाली व्यवस्थाएं या तो लचर होती हैं या पूरी तरह अनुपस्थित। हमारे देश में ऐसे आयोजन जिनमें भीड़ की संभावना पहले से होती है, उनके लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती या बनाई भी जाती है तो उसका पालन नहीं होता। प्रशासकीय योजनाएं फाइलों में सिमट जाती हैं, और धरातल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार नहीं होते। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आयोजक खुद भीड़ को केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं लाखों लोग आए थे कहने की होड़ में वे यह भूल जाते हैं कि इन लाखों के पीछे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे न तो प्रवेश और निकासी के मार्गों की योजना बनाते हैं, न स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं और न ही किसी अनहोनी के लिए वैकल्पिक इंतजाम। वहीं प्रशासन कई बार या तो उदासीन बना रहता है या राजनीतिक दबाव में चुप्पी साध लेता है। आम नागरिक भी इस विफलता का हिस्सा हैं। वे आयोजन में भाग लेने को केवल एक सामूहिक उत्सव मानते हैं, जहां अनुशासन की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। भीड़ में एक अफवाह, एक धक्का या एक अधीरता सैकड़ों जानों के लिए खतरा बन सकती है, पर यह चेतना अधिकांश लोगों में नहीं होती। सामूहिक जिम्मेदारी की इस कमी ने भीड़ को एक जीवंत, लेकिन बेकाबू शक्ति बना दिया है।
तकनीक के इस युग में कहने को तो हमारे पास तमाम साधन हैं स्मार्टफोन, ड्रोन, सीसीटीवी, डेटा एनालिसिस लेकिन इनका उपयोग आमजन की सुरक्षा में कम और वीआईपी प्रोटोकॉल में ज्यादा होता है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जहां एक ओर हम अंतरिक्ष में कदम रख चुके हैं, वहीं अपने ही देश में एक मेला या सभा सुरक्षित नहीं बना पाए हैं? हर बार हादसे के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, कुछ नामों पर उंगलियाँ उठती हैं, फिर सब कुछ शांत हो जाता है। मृतकों की संख्या एक सरकारी आँकड़ा बन जाती है और उनके परिजन कुछ सहानुभूति भरे बयानों और मुआवजे के चेक के साथ अकेले छोड़ दिए जाते हैं। कोई यह नहीं पूछता कि अगली बार ऐसा न हो, इसके लिए क्या बदला गया? भीड़ प्रबंधन सिर्फ प्रशासन का दायित्व नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक दायित्व है आयोजकों, पुलिस, नगर निकायों, स्वास्थ्य सेवाओं और सबसे बढ़कर, जनता की साझा जवाबदेही। जब तक हम इसे सिर्फ एक रूटीन या रस्म के तौर पर लेते रहेंगे, हादसे होते रहेंगे। भगदड़ महज अफवाहों से नहीं, बल्कि अव्यवस्था से जन्म लेती है।
आयोजनों को भव्यता की दौड़ से निकालकर विवेक और मानवीय गरिमा के दायरे में लाना अब अनिवार्य है। हर आयोजन के लिए एक स्वतंत्र निगरानी प्राधिकरण की स्थापना होनी चाहिए, जो केवल सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए उत्तरदायी हो। साथ ही नागरिकों को प्रशिक्षित और जागरूक किया जाना चाहिए कि वे भीड़ में संयम बनाए रखें, अफवाहों से बचें और जरूरत पड़ने पर सूझ-बूझ से काम लें। अगर हमने अब भी नहीं सीखा, तो हर आयोजन एक अनहोनी में बदलता रहेगा। हम तय करें कि हमें जश्न चाहिए या जन-संहार? जिम्मेदारी तय करनी होगी, योजनाओं को जमीन पर उतारना होगा और भीड़ को संख्या नहीं, जीवन के रूप में देखने की आदत डालनी होगी। वरना हर आयोजन एक आशंका बन जाएगा, हर तीर्थ एक संकट, और हर मेला एक शोकसभा।
(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

कश्मीर में रेल की परिकल्पना सदियों पुरानी

कश्मीर में रेल की कल्पना सन 1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ। एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक,स्थला कृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदी से भी अधिक पुरानी महत्वाकांक्षी योजना है।

विनोद कुमार सिंह

सम्पूर्ण विश्व में भारत की पहचान विभिन्नता,विविधता की विशेषताओं से होती है।इसका उदाहरण कश्मीर से कन्या कुमारी तक दी जाती है। तभी तो कश्मीर को भारत माता की मुकुट कहीजाती है।आज फिर कश्मीर की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।हो भी क्यूँ नही,यह भारत की विकाश गति गाथा की है।जिनका शुभ शुभारम्भ व शंखनाद करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 46000करोड़ रुपये से अधिक विकाश परियोजना ओं की सौगात देने पहुंचे थें।इस अवशर उन्होंने कहा कि यह पवित्र भुमि 'वीर जोरावर सिंह जी की है,मैं इस धरती को प्रणाम करता हूँ।माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।कश्मीर से कन्याकुमारी अब रेलवे नेटवर्क के लिए भी हकीकत बन गया है।आज की हकीकत के पीछे की कहानी पर एक नजर डालते है। आपको बता दे कि कश्मीर में रेल की कल्पना सन1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ।एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदीयों से भी पुरानी महत्वाकांक्षी परियोजना है। इनमें चिनाब नदी पर एक स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की स्थिति को झेलने के लिए डिजाइन किया गया है।' पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना होगा।पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से,कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में मात्र तीन घंटे लगेंगे,जिससे वर्तमान यात्रा समय में दो-तीन घंटे की कमी आएगी। 'जम्मू- कश्मीर अभिलेखागार विभाग के विशेष दस्तावेजों के अनुसार,सन 1892 में डोगरा के महाराजा ने पहली बार कश्मीर तक रेल संपर्क का विचार रखा था।जिसे1898 में,शासक ने ब्रिटिश इंजीनियरिंग फर्म एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कश्मीर तक रेल मार्ग के लिए बीहड़ इलाके का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा था।इस सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए तीन ब्रिटिश इंजीनियरों को नियुक्त किया गया,लैकिन1898 से1909 के बीच 11वर्षों में तैयार की गई तीन में से दो रिपोर्टें अस्वीकार कर दी गईं।डीए एडम द्वारा प्रस्तुत पहली रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच एक इलेक्ट्रिक रेलवे की सिफारिश की गई थी,जिसमें दो फीट छह इंच की एक संकरी लाइन पर भाप इंजन लगे होंगे।इस चुनौती पूर्ण ऊंचाई स्तरों के कारण इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था।सन 1902 में डब्ल्यूजे वेटमैन द्वारा प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव में झेलम नदी के किनारे एबटाबाद(अब पाकिस्तान में)से कश्मीर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का सुझाव दिया गया था,इसे भी अस्वीकार कर दिया गया।हालांकि,वाइल्ड ब्लड के तीसरे प्रस्ताव में रियासी क्षेत्र से होकर चेनाब नदी के किनारे रेलवे लाइन बिछाने की सिफारिश की गई थी।अन्तत इस रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई।उधमपुर,रामसू और बनिहाल के पास बिजली से चलने वाली ट्रेनों को चलाने और बिजलीघर स्थापित करने की कई योजनाओं की भी जांच की गई,लेकिन अंततः उन्हें खारिज कर दिया गया।हालांकि,कई बार खारिज किए जाने के बाद, ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल डी.ई. बोरेल को आखिरकार स्थानीय कोयला भंडारों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया। इसके अलावा,भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण(जीएसआई)के तत्कालीन उप अधीक्षक टीडी ला टच से संगरमार्ग और महोगला कोयला खदानों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कराई गई थी।कई अस्वीकृतियों के बाद एक सकारात्मक विकास को चिह्नित करते हुए,दिसंबर1923 में, एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कोयला निष्कर्षण परियोजना को लागू करने के लिए फिर से नियुक्त किया गया।हालांकि दस्तावेजों में कहा गया है कि 1925 में महाराजा प्रताप सिंह की मृत्यु और बढ़ते भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारण परियोजना को स्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया।इस यात्रा में उम्मीद की एक किरण छह दशक बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1983 में पुनः प्रयास जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर रेलवे लाइन की आधारशिला रखी।जिससे यह महत्वाकांक्षी परियोजना को नव जीवन मिला।सुत्रों के अनुसार,उस समय इस मेगा प्रोजेक्ट की लागत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई थी और इसे पांच साल में पूरा किया जाना था।हालांकि,अगले 13 सालों में बजट बहुत बढ़ गया क्योंकि केवल11किलोमीटर लाइन का निर्माण किया जा सका,जिसमें 300 करोड़ रुपये की लागत से 19 सुरंगें और 11पुल शामिल थे।यह परि योजना बाद में व्यापक उधमपुर -कटरा-बारामूला रेलवे परियोजना में बदल गई,जिसकी अनुमानित लागत 2,500 करोड़ रुपये थी,जिसकी आधारशिला 1996 और 1997 में प्रधानमंत्रियों एचडी देवेगौड़ा और आईके गुजराल ने उधमपुर, काजीगुंड और बारामूला में रखी थी।इस परियोजना का निर्माण कार्य 1997 में शुरू हुआ।यह कार्य भूवैज्ञानिक,स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी स्थितियों के कारण चुनौती पूर्ण था।जिसके कारण देरी हुई,जिससे लागत 43,800 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। उधमपुर- श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लाइन (यूएसबीआरएल)को इसके सामरिक महत्व को देखते हुए राष्ट्रीय परि योजना घोषित किया गया था।272 किमी लंबे खंड में से 209 किमी पहले ही चरणों में चालू हो चुका है,जिसमें 2009 में काजीगुंड-बारामूला,2013 में बनिहाल- काजीगुंड,2014 में उधमपुर-कटरा और 2023 में बनिहाल-संगलदान शामिल है। हमारे इंजीनियरिंग के इस चमत्कार में कश्मीर रेल परियोजना के साथ 38 सुरंगें और 927 पुल शामिल हैं,जिनमें चिनाब पुल सबसे खास है,जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। इस बहु प्रतिक्षित परियोजना प्रारम्भ होने से ना केवल जम्मु कश्मीर के लोगों लाभ होगा बल्कि कशमीर में आने वाले शैलानी के संग श्रद्धालुओं को फायदा होगा।नए रोजगार के अवसर मिलेंगे।इस मौके पर मुझे एक प्रचलित कहावत याद आ रही है - 'कौन कहता है कि आशमा में सुराग नही होता,एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों...'

मोदी सरकार की उपलब्धियों के ग्यारह साल

भारतीय परंपरा में ग्यारह की संख्या शुभ मानी जाती है। पारिवारिक और धार्मिक समारोहों में शगुन के रूप में ग्यारह रूपए की भेंट देने की परंपरा इसी वजह से रही है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को शगुन काल भी कह सकते हैं। ग्यारह साल का वक्त कम नहीं होता। इस दौरान पीढ़ी भी बदल जाती है। ऐसे में इस पूरे दौर का जो मूल्यांकन होगा, उसे पीढ़ीगत नजरिए से भी देखना होगा, क्योंकि हर नई पीढ़ी का नजरिया बुजुर्गों से अलग होता है। इन अर्थों में देखेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी और उनका कार्यकाल अनूठा लगेगा। मोदी और उनकी कार्यशैली पुरानी पीढ़ी को भी पसंद हैं और नई पीढ़ी के तो प्रेरक हैं ही। इसकी वजह है, उनकी अद्भुत संप्रेषण कला, जिसके जरिए वे सीधे लोगों के दिलों से जुड़ जाते हैं।
नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा।
मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब

कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहीं सालगिरह मनाने जा रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां है। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। उज्ज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन-धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है।
जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका भी श्रेय मोदी सरकार को ही जाता है। देश सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सांस्कृतिक मोर्चे पर लगातार विकास कर रहा है। इस विकास में परंपरा, आधुनिकता और वैश्विक जुड़ाव का अद्भुत समावेश नजर आता है। मोदी सरकार की ही देन है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन का महाकाल लोक, मां कामाख्या मंदिर, राम मंदिर अयोध्या, केदारनाथ धाम और जूना सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। राममंदिर के निर्माण की उपलब्धि ही मोदी सरकार के खाते में जाती है। इसी दौरान उत्तराखंड में चारधाम राजमार्ग परियोजना, हेमकुंड साहिब रोपवे और बौद्ध सर्किट विकास जैसी योजनाएं शुरू हुईं। करतारपुर कॉरिडोर के चलते पाकिस्तान स्थित दरबार साहिब भारतीय सिखों के लिए सुलभ हुआ। इसी दौरान राष्ट्रनिमार्ताओं को सम्मान देने की दिशा में प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और 11 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जैसे संस्थान बनाए गए। मोदी के कार्यकाल में ही देश की खोई धरोहरों की वापसी का अभियान तेज हुआ। 2013 से पहले विदेशों में चोरी से गई सिर्फ 13 प्राचीन वस्तुओं की ही वापसी हुई थी, जबकि 2014 के बाद से अब तक 642 प्राचीन वस्तुएं भारत लौटाई गई हैं, जिनमें से अकेले अमेरिका से 578 कलाकृतियां लौटी हैं।आयुर्वेद और योग की वैश्विक मान्यता भी मोदी सरकार की ही उपलब्धि कही जाएगी।
मोदी सरकार के ही कार्यकाल में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बनी और उसे लागू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर उसका ही प्रतीक है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का खात्मा, 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक, जैसे कदम मोदी सरकार ने ही उठाए। मोदी के शासन काल में भारत ने ग्लोबल साउथ की अवधारणा को मजबूत करते हुए अफ्रीकी देशों से नए सिरे से संबंध बढ़ाए। रूस और यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी रोक-टोक के बावजूद भारत रूस से सस्ती दरों पर पेट्रोलियम तेल खरीदने में सफल रहा। उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिशें इसी दौर में तेजी से बढ़ीं। नक्सलवाद पर लगाम भी तेजी से इसी दौर में लगा।
मोदी सरकार की उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी है। लेकिन भारत जैसे बहुभाषी, बहुरंगी देश में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आर्थिक आय की असमानता में संतुलन आज की बड़ी जरूरत है। भारत को यूरोप की तर्ज पर विकसित करने, प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने की जरूरत अब भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में भारत इन उपलब्धियों को भी हासिल करने में सफल रहेगा।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में किया गया मासिक बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी अपराध के पर्यवेक्षण में थाना ए0एच0टी0 व विशेष किशोर पुलिस ईकाई द्वारा जनपद के समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी, सहायक महिला बाल कल्याण अधिकारी व अन्य विभागों उहउ, वन स्टॉप सेंटर, किशोर न्याय बोर्ड, चिकित्सा विभाग, जिला प्रोबेशन कार्यालय, श्रम विभाग एवं जनपद मे संचालित विभिन्न ठऋड संगठनो के पदाधिकारी गण से समन्वय स्थापित कर सोमवार को पुलिस सभागार पुलिस कार्यालय में किशोर न्याय अधिनियम-2015 की धारा-107 के अन्तर्गत गठित विशेष किशोर पुलिस ईकाई व ए0एच0टी0 की मासिक समीक्षा बैठक मे किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 आदि के संबन्ध में प्रशिक्षण दिया गया एवं विवेचना के दौरान आने बाली समस्याओं आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। जिसमे महिला एंव बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा दिये गये निदेशो के सम्बन्ध मे उपस्थित सभी अधिकारी /कर्म0गणों को अवगत कराया गया कि बालश्रम, बालभिक्षावृत्ति की रोकथाम बाल विवाह व गुमशुदा बालक/ बालिका के सम्बन्ध मे शासन द्वारा जारी आदेश निदेशों के अनुपालन में की जाने वाली प्रक्रिया, पुलिस रेस्पान्स, व्यवहार व सपोर्ट पर्सन व सीडब्लूसी से समन्वय स्थापित कर सूचना आदान प्रदान करने आदि के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से जानकारी दी गयी तथा जनपद में गुमशुदा बच्चो के पंजीकृत व लम्बित केसों की स्थिति व कार्यवाही के बारे में जानकारी की गयी व लम्बित केसों का जल्दी निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिये गये व जनपद में पोस्कों के प्रकरण पर थानावार चर्चा की गयी जे0जे0 एक्ट से सम्बन्धित आदेश निदेशों एंव जागरूकता के अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया तथा जनपद में वृहद स्तर पर कार्ययोजना बनाते हुए बाल श्रम व बाल भिक्षावृति के संबंध में जागरुकता व रेस्क्यू अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया एवं गोष्ठी में अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी।

जननायक विरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर की गई श्रद्धांजलि अर्पित

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- महान आदिवासी रक्षक एवं जननायक विरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर थाना सैदनगली क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ता बेगपुर मुंडा चौराहे पर बृजपाल सिंह के आवास पर पहुंचे। उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि आदिवासी नेता जन नायक नायक विरसा मुंडा जनजाति से थे। उन्हें धरती आबा अर्थात पृथ्वी के पिता के नाम से जाना जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु गांव में हुआ था। उन्होंने ब्रिटिश शासन, जमींदारों और मिशनरियों के शोषण के विरुद्ध आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने उलगुलान नामक एक बड़े विद्रोह का नेतृत्व किया। उन्होंने समाज सुधार, धार्मिक सुधार के कार्य करते हुए अंधविश्वास, और अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने अपनी संस्कृति और परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नामित सदस्य पशु कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार डा रुमाल सिंह सैनी, धर्म सिंह, शिवनरेश, जगराम सिंह, बृजपाल, वीरपाल, अंकित कुमार, गौरव, विशाल, काले खान, ब्रह्मपाल, मुन्नू, अमित कुमार, हर्ष देवल आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने डॉक्टर इफ्रा की सेवाएं की समाप्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं बेहतर संचालन के लिए चलाये जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए लगभग 45 करोड़ के बजट का अनुमोदन जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्यक्रमों का विधिवत आयोजन करें बजट का सदुपयोग हो किसी भी स्तर पर बजट में लापरवाही ना हो। जिलाधिकारी ने वैठक में अमरोहा शहर के मोहल्ला छेबड़ा पीएच सी में कार्यरत डॉक्टर इफ्रा की सेवाएं समाप्त करने का अनुमोदन जिलाधिकारी ने दिया। जिलाधिकारी ने कहा लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही की जा रही थी निर्देश के बावजूद सुधार

नहीं किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला अस्पताल के दो अल्ट्रासाउंड मशीन अमरोहा और नौगांवा सीएचसी में लगाई जाएगी जिससे लोगों को फ्री में अल्ट्रासाउंड करने में सहूलियत मिले और लोगों को लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि संचारी रोग अभियान के दृष्टिगत प्रभावी कार्रवाई किया जाय दवाओं का छिड़काव प्राथमिकता से हो। कहा डेंगू और मलेरिया के रोगियों की प्राथमिकता से जांच कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि टीवी के मरीज के लिए अभियान चलाकर सैंपल लिए जाएं और उन्हें दवाएं दिया जाए। कहा कि पोषण पोटली हर हाल में टीवी के मरीजों को उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत जो भी पात्र व्यक्ति के अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाए हैं। इसी प्रकार जीरो पॉवर्टी के तहत जो परिवार चिन्हित किए गए हैं। उनके शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए इसमें कोई भी लापरवाही ना हो। कहा कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित नहीं रहना चाहिए ।जिलाधिकारी ने कहा BHND सत्रों का प्रभावी सुपरविजन कर शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराया जाए। सत्रों का आयोजन ठीक ढंग से हो यह सुनिश्चित हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्यपाल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और MOIC मौजूद रहे ।

तालाबों की खुदाई कार्य में लापरवाही बरतने पर डीएम ने खण्ड विकास अधिकारी अमरोहा के वेतन पर लगाई रोक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा उपजिलाधिकारी नौगांवा कार्यालय में तहसील दिवस से पूर्व तहसील नौगांवा के न्यायिक और राजस्व कार्यो की उपजिलाधिकारी तहसीलदार नायब तहसीलदार व अन्य के साथ वैठक कर समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने न्यायालय में 1 से 3 वर्ष 3 से 5 वर्ष तथा 5 वर्ष से अधिक के धारा 34 और 67 के पुराने वादों के निस्तारण की स्थिति, न्यायालय के आदेशों के अनुपालन की स्थिति, मिल जुमला गाटों के विभाजन की कार्य योजना की प्रगति, तालाबों पशुचरभूमि पर अवैध कब्जे, अविवादित विरासत, लेखपालों की दिनचर्या बही , सहित अन्य किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा किया । तहसीलदार और नायब तहसीलदार न्यायालय में मामले लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त की और प्राथमिकता के साथ निस्तारण करने के निर्देश

दिए । इसी प्रकार उप जिला अधिकारी न्यायालय कोर्ट में 2012 से एक मामला लंबित होने पर नाराजगी जाहिर कर प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश उप जिलाधिकारी को दिया । जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब और पशुचर की भूमि कब्जा मुक्त कराई जाए। जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त कर कहा कि कहीं पर भी सरकारी भूमि पर कब्जा नहीं होनी चाहिए ।जिलाधिकारी के मिशन 100 के तहत तालाबों की खुदाई कराकर पुरोद्धार किये जाने के कार्य में लापरवाही के चलते जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए खंड विकास अधिकारी अमरोहा का वेतन रोकने के निर्देश दिए। कहा कि जब तक तालाबों की खुदाई का कार्य पूर्ण नहीं हो जाता तब तक वेतन बाधित रहेगा । लेखपाल के कार्यों की दिनचर्या बही की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपाल ने प्रतिदिन क्या कार्य किया कहां गया इसका पूरा उल्लेख विवरण सहित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि धारा 24 और 116 की जो आदेश जारी किए गए उनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाए । कहा की उपजिलाधिकारी पैमाइश और चिन्हाकन के कार्य में स्वयं रुचि लेकर कार्य करें । जिलाधिकारी ने कहा कि लगातार लापरवाही की जा रही है बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । कहा की धारा 67 के सभी प्रकरणों पर मौके पर जाकर अनुपालन सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि मिलजुमला के मामलों में रोस्टर के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करें । कहा कि यह विशेष ध्यान दें कहीं पर भी चारागाह तालाब पर अवैध कब्जा ना हो प्राथमिकता के साथ आवंटित कर खुदाई का कार्य कराया जाए । इस अवसर पर उप उपजिलाधिकारी नौगवां सादात तहसीलदार नायब तहसील दार नौगांवा पेशकार रजिस्ट्रार कानून गो सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लॉक परिसर मे भाकियू असली की मासिक पंचायत का आयोजन

धनौरा /अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक पंचायत का आयोजन धनोरा के ब्लॉक परिसर में संपन्न हुआ। जिसमें पंचायत में उपस्थित कानून ने कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा की। पंचायत के दौरान लोक परिसर में दर्जनों से अधिक किसान मौजूद रहे। बता दें कि सोमवार को धनोरा के ब्लॉक परिसर में आयोजित मासिक पंचायत में किसानों ने अहम मुद्दों पर विचार करते हुए कहा कि 21,22 और 23 जून को गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी हरिद्वार में संगठन का चिंतन शिविर का होगा आयोजन, जिसमें भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता 21 जून की शाम को मंडी

धनौरा रेलवे स्टेशन व गजरौला से हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेंगे,22 जून को चिंतन शिविर में पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरपाल सिंह बिलारी किसानों को संबोधित करेंगें, शेष गन्ना भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए,आजकल क्षेत्र में चड्डी गैंग से भय का माहौल है पुलिस प्रशासन प्रशासन संज्ञान ले, नौगांवा क्षेत्र में मृत तेंदुए की बिना जांच के तीन लोगों पर मुकदमे लगाकर जेल भेजा गया है जिनको बिना शर्त के रिहा किया जाए, तेंदुए को क्षेत्रवार पिंजरा लगाकर पकड़वाया जाना चाहिए,आने वाली 12 जून को हापुड़ में मां पंचायत होगी जिसको राष्ट्रीय अध्यक्ष संबोधित करेंगे जिसमें अमरोहा के काफी संख्या में किस पहुंचेंगे। पंचायत के दौरान वहां पर डूंगर सिंह, नरेश कुमार, बच्चन सिंह, रामवीर सिंह, जसपाल सिंह, दिनेश प्रधान, सुखविंदर सरदार जी, शाकिर अली, जुल्फिकार ,इश्तियाक अल्वी, सुनील, जन्म सिंह ,श्याम बली यादव, रमेश प्रधान, दिगपाल सिंह, राजीव त्यागी ,कपिल त्यागी, सहित दर्जनों से अधिक किसान लोग मौजूद रहे

भाकियू शंकर द्वारा समाधान दिवस में जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

किसानों पर लगे मुकदमें समाप्त कर बिना शर्त रिहा करे प्रशासन- दिवाकर सिंह

नौगांवा/ अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को भाकियू शंकर के द्वारा एक मांगपत्र सौंपा गया। दोपहर 12:00 बजे संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी नेपाल सिंह के नेतृत्व में नौगांव सादात के गांव कुतुबपुर हमीरपुर के किसानों को बिना कोई शर्त जेल से रिहा करने व उन पर लगे सभी मुकदमों को समाप्त करने के लिए ये मांग पत्र सौंपा गया है।

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने जिलाधिकारी से इस सम्बंध में विस्तार पूर्वक वार्ता की है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी आदमखोर तेंदुए के द्वारा कई घटनाएं हो चुकी हैं, तेंदुए के हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, प्रशासन को उनकी मदद करनी चाहिए थी न कि उन पर मुकदमें दर्ज करके उन्हें जेल भेजना था। इस मामले में यदि 14 तारीख तक पीड़ितों पर लगे सभी मुकदमे समाप्त नहीं किए जाते तो फिर 16 तारीख में भाकियू शंकर संगठन उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगा, जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी । ज्ञापन सौंपने वालों में राकेश रतनपुर, चौधरी धर्मवीर सिंह , चौधरी नेमपाल सिंह, चौधरी रवि पाल सिंह ,नरेश सिंह, विक्रम पवार, जगत सिंह चौहान समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बेटियों के गर्भपात को रोकने और समाज में प्रचलित लिंग भेदभाव को समाप्त करने के लिए किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निर्देश पर ब्लॉक-जोया के ग्राम-डाईडैरा में बाल विवाह जैसे- कुप्रथा के बारे एवं लिंग निर्धारण परीक्षण और लड़कियों के गर्भपात को रोकने और समाज में प्रचलित लिंग भेदभाव को समाप्त हेतु लिंगानुपात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का अतिक्रमण करता है। जिससे उनपर हिंसा, शोषण तथा यौन शोषण का खतरा बना रहता है। बाल विवाह लड़कियों और लड़कों दोनों पर असर डालता है, लेकिन इसका प्रभाव लड़कियों पर अधिक पड़ता है ।बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार, बाल विवाह कानूनी अपराध है. इस अधिनियम के तहत, यदि कोई व्यक्ति बाल विवाह करता है, या उसे बढ़ावा देता

है, तो उसे 2 साल तक का कठोर कारावास और 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है. इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। वह सुविधा दे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, पंचायत सहायक, सेन्टर मैनेजर, वन स्टॉप सेन्टर एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता एवं नरेन्द्र पाल, वन स्टाप सेन्टर आदि कार्मिक उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी जन मानस की शिकायते, दिए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी नीधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में तहसील नौगावां सादात में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से सुना और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए । इस अवसर पर जिला अधिकारी के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा पूर्व तहसील दिवस में आई शिकायतों के निस्तारण का फीडबैक भी लिया गया । शिकायत का निस्तारण हुआ है या नही गुणवत्तापूर्ण किया गया है या नहीं आदि की जांच की गई । विजली विभाग की ज्यादा शिकायत व लंबित शिकायतों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और ध्यान देकर सुधार किए जाने की हिदायद दी । इसी प्रकार विकास खण्ड और पंचायती राज की ज्यादा शिकायतों पर प्राथमिकता से निस्तारण किये जाने के निर्देश दिए कहा कि दोनों पक्षों को बुलाकर समझा कर संतुष्ट किया जाए। सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत के निस्तारण में गुणवत्ता की कमी पाई जाती है तो सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। सभी विभागीय अधिकारी शिकायतों को प्राथमिकता से लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें किसी भी स्तर पर लापरवाही की गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों सहित कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमे से 02 शिकायत का निस्तारण मौके पर हुआ शेष 25 शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारित कराने के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को दिये। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए समय रहते उसका निस्तारण हो जाए यह विशेष ध्यान दिया जाए कोई भी शिकायत लंबित न रहे । कहा अधिकारी मौके पर जाकर शिकायतों की जांच करें और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कहा राजस्व से संबंधित शिकायतों का पुलिस और राजस्व के अधिकारी मौके पर जाकर संयुक्त टीम के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी नौगांवा सादात सुनीता, जिला विकास अधिकारी तहसीलदार नौगांवा सादात क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

महिला उत्पीड़न को लेकर उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्या 11 जून को करेंगी जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग महिला कल्याण एंव बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एंव पीड़ित महिलाओ को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक / आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसो / सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी महोदया की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा /जनसुनवाई / निरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। समीक्षा बैठक में जनपद में दिनांक 11.06.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार, अमरोहा में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जायेगी एवं तत्पश्चात सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बालिका महिला गृह व आंगनवाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण किया जाना है।

अमरोहा जिले में परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह ने किए बेहतर कार्य, जिले में बहाई विकास कार्य की गंगा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला, हाल के वर्षों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के कारण चर्चा में रहा है। इस प्रगति के पीछे जिले के परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके नेतृत्व में अमरोहा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण मुख्यमंत्री आवास योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, विधायक निधि ग्रामीण विकास, और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं, जिन्होंने न केवल जिले की तस्वीर बदली है, बल्कि स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है। अमरेंद्र प्रताप सिंह ने जिले में ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उनके मार्गदर्शन में, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले के सभी गांव में पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास, ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत रोजगार को बढ़ावा देकर जिले के बेरोजगारों को रोजगार देने का काम किया है। इसी के साथ-साथ मनरेगा मैं मजदूर को मांग के आधार पर कार्य दिया जा रहा है। तथा नरेगा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है गत वर्ष 66 राशन की दुकान बनवाई गई हैं। इस वर्ष में 66 राशन की दुकानें बनाई जा रही हैं। साथ ही बगडद नदी जो 102 किलोमीटर लंबी है। 42 ग्राम पंचायत होकर गुजरती है उसका पुनरुद्धार कार्य किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी अमरेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उनके प्रयासों से जिले में वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा दिया गया है, जिसके तहत हजारों पेड़ लगाए गए हैं। साथ ही, जल संरक्षण के लिए कई तालाबों और जलाशयों का जीर्णोद्धार किया गया है, जिससे भूजल स्तर में सुधार हुआ है। अमरेंद्र प्रताप सिंह के इन प्रयासों ने अमरोहा को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। उनकी कार्यशैली और समर्पण ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की है, बल्कि स्थानीय लोगों के बीच भी उन्हें एक लोकप्रिय और सम्मानित व्यक्तित्व बनाया है। उनके नेतृत्व में अमरोहा जिला निश्चित रूप से प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

पुलिस ने 12 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को तलाश कर परिजनों के किया सुपर्द

बहजोई/संभल (सब का सपना):- थाना बहजोई पर जयप्रकाश पुत्र बुद्ध सिंह कुशवाह निवासी ग्राम बिचौला थाना बहजोई जनपद सम्भल ने एक प्रार्थना पत्र 6 जून को समय करीब दोपहर 2 बजे अपने पुत्र शिवम उम्र करीब 12 वर्ष के गांव में खेलने जाने व वापस घर नही आने के सम्बन्ध में दिया। उक्त सूचना पर टीम गठित कर उच्चाधिकारीगण द्वारा बच्चे की सकुशल बरामदगी हेतु टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बच्चे की तलाश में रवाना किया गया। जिसे पुलिस टीम द्वारा कडी मशक्कत करते हुए आसपास के क्षेत्रों, सीसीटीवी व लोगों से पूछताछ करते हुए लगभग 8 घण्टे में अथक प्रयास के बाद बच्चे को तलाश कर उसके माता पिता के नियमानुसार सकुशल सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पुलिस के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

मेला गणेश चौथ की श्रीगणेश रथयात्रा में शामिल होगी अहिल्याबाई होल्कर की स्वचलित झांकी

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- देवी अहिल्याबाई होल्कर जन्मोत्सव समिति के संयोजक डॉ टीएस पाल ने बताया उत्तर भारत का प्रसिद्ध श्रीगणेश चौथ मेले के दौरान निकलने वाली दिव्य एवम भव्य श्रीगणेश रथयात्रा में होल्कर वंश की न्यायप्रिय कुशल शासिका पुण्य श्लोक अहिलाबाई होल्कर के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष पर स्वचलित झांकी को रथयात्रा में शामिल कराने के लिए सीता रोड स्थित गणेश मेला के कार्यालय पहुंचकर श्रीगणेश चौथ मेला परिषद के झांकी निदेशक ललित किशोर वार्ष्णेय को प्रस्ताव दिया। जिसकी सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हुए उन्होंने कहा 27 अगस्त 2025 को निकलने वाली श्रीगणेश रथयात्रा में अहिल्याबाई होल्कर की स्वचलित झांकी की तैयारी शीघ्र शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान समिति अध्यक्ष डॉ मोहन लाल पाल, महामंत्री राजेश पाल, डॉ राजीव वार्ष्णेय, रविन्द्र कुमार रूपी, आकाश कुमार शर्मा, मुनेश धनगर आदि उपस्थित रहे।

टी0बी0 रोगियों के साथ मनाया गया विदाई समारोह

ग्यारह टी0 बी0 रोगियों को की पोषण पोटली वितरण

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद को टी0 बी0 मुक्त करने के लिए की एक नई पहल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुदाफरा पर तैनात डॉ चंद्रपाल सिंह गौतम का आज सेवानिवृति कार्यक्रम था इस अवसर पर डॉ चंद्रपाल सिंह गौतम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टी0वी की दवाइयां ले रहे 11 रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली का वितरण किया एवं सभी मरीजों को जलपान कराया डॉ चंद्रपाल सिंह ने बताया की पूर्व में भी वह जनपद बुलंदशहर में जिला क्षय रोग अधिकारी के पद पर कार्य का निर्वहन कर चुके हैं एवं भविष्य में भी जब भी कहीं टी0वी रोगियों की सेवा का अवसर मुझे प्राप्त होगा मैं इसके लिए तत्पर रहूंगा टी0वी रोगियों का सहयोग करके मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं समय-समय पर मैं टी0वी रोगियों के सहयोग के लिए तत्पर रहूंगा इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहरा डॉ धर्मेश कंसल चिकित्साधिकारी डॉ भारती बिरला जिला पी0एम0डी 0टी कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार वरिष्ठ प्रयोगशाला परिमेक्षक बृजेश कुमार लैब टेक्नीशियन अजय मालिक जिला पी 0पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी आदि उपस्थित रहे।

गन्ने की फसल में रोग एवं कीट नियंत्रण की जानकारी दी

कांधला/शामली (सब का सपना):- सोमवार को ख्वासपुर गांव मे विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय न. 1 मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा संदीप चौधरी ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के बारे मे जागरूक करते हुए किसानो को वर्तमान समय में गन्ने की फसल में विभिन्न प्रकार के रोग एवं कीट प्रकोप की बढ़ने की जानकारी दी, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कीट व रोग के नियंत्रण के लिए किसानो को बीज शोधन व भूमि शोधन करना चाहिए। किसानों को समय पर निगरानी व उचित नियंत्रण उपाय अपनाने की आवश्यकता होती है। गन्ने के प्रमुख रोग एवं नियंत्रण उपाय बताए व बताया कि गन्ने का लाल सड़न के लक्षण पत्तियों का सूखना, गन्ने के अन्दर लाल धारीदार सड़न है। इसके नियंत्रण मे किसान रोगग्रस्त पौधों को खेत से हटाएं व नष्ट करें। रोगरोधी प्रजातियाँ जैसे Co-0238, Co-0118 आदि का चयन करें। मुरझां रोग मे गन्ना का मुरझा और सूख जाता है। इसके नियंत्रण के लिए उचित जल निकास रखें संतुलित उर्वरक का प्रयोग करें। ट्राईकोड्रमा की 1 किग्रा प्रति एकड़ गोबर खाद में मिलाकर प्रयोग करें। गन्ने के स्मट रोग का नियंत्रण प्रोपिकोनाजोल का प्रयोग 1 मिली प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर स्प्रे कर सकते है। साथ ही डा संदीप चौधरी ने गन्ने के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण के उपाय बताते हुए गन्ने मे टॉप शूट बोरर के नियंत्रण के लिए क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5% की 150 मि.ली. प्रति हेक्टेयर अथवा फिप्रोनिल के साथ इमीडा का एक एम एल प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। जैविक नियंत्रण विधियों जैसे ट्राइकोडर्मा, नीम आधारित कीटनाशी का प्रयोग प्राथमिकता दें। सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा अजय तोमर ने प्राकृतिक खेती के साथ ही फसलोत्पादन मे फसल विविधिकरण के लाभ, फसल चक्र, एग्रो फोरेस्ट्री करने हेतु किसानो को प्रेरित किया। सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव उपाध्याय ने किसानो को सोलर पम्प, फार्मर रजिस्ट्री, किसान सम्मान निधि, जिप्सम प्रयोग आदि के साथ कृषि यंत्रीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन अन्तर्गत वेस्ट डीकम्पोजर कैप्सूल की जानकारी दी। इस अवसर पर भूमि संरक्षण अनुभाग से विनुज, तकनीकी प्रबन्धक धर्मेंद्र सिंह, विशु, सतेन्द्र, सत्यवान, बिजेंद्र, सत्यप्रकाश, कमलेश्वर, अमित, विनोद सरदार आदि मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन के विकास कायाकल्प को लेकर व्यापार मंडल ने जाहिर की नाराजगी

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- सोमवार को अखिल भारतीय युवा उधोग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन दिया और रेलवे स्टेशन पर एक साल से अधर में लटका कायाकल्प का कार्य पर व्यापारियों में रोष किया । नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर कराया जा रहा है विकास कार्य में लापरवाही बरती जा रही है अमृत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य को एक वर्ष से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी गति नहीं मिल पाई है। एक साल से ज्यादा के समय में सिर्फ प्लेटफॉर्म नंबर एक के उच्चीकरण का ही कार्य पूरा हुआ है। जबकि लिफ्ट, प्लेटफॉर्म दो के उच्चीकरण, मुख्य द्वार का सौंदर्याकरण आदि कार्य अधर में लटके हैं। कायाकल्प कार्यों के निरीक्षण के नाम पर अधिकारी भी सिर्फ खानापूर्ति कर चले जाते हैं।पर उत्तदायी संस्था के कान पर जूं तक नही रेंगती है अमृत योजना के तहत चंदौसी रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, संयुक्त प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने के लिए लॉज, स्टेशन के फ्रंट का विकास व सौंदर्याकरण और एक व दो प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण का कार्य होना प्रस्तावित है। जिसमें करीब 18 करोड़ रुपये धनराशि की लागत आएगी। इसके लिए कार्यदायी संस्था ने वर्ष 2023 के नवंबर माह में कायाकल्प का कार्य शुरू कर दिया था। लेकिन एक वर्ष से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी लगभग 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा किया गया है का कार्य ।सिर्फ प्लेटफॉर्म एक के उच्चीकरण काही कार्य पूरा हो सका है। वेटिंग रूम, स्टेशन के फ्रंट व परिसर के अंदर का सौंदर्याकरण, प्लेटफॉर्म दो की ऊंचाई बढ़ाना, लिफ्ट आदि का निर्माण कार्य अब भी अधर में लटका है। कार्यदायी संस्था ने शुरूआत से निर्माण कार्य को गति नहीं दी। बीच बीच में कई बार काम बंद भी हुआ। डीआरएम भी कार्य को ले कर असंतोष जता चुके है और संबंधित कार्य मे तेजी लाने के निर्देश दे चुके हैं। उसके बावजूद भी कार्यदायी संस्था एक साल से ज्यादा के समय में भी कायाकल्प का कार्य पूरा नहीं कर पाई। व्यापार मंडल चेतावनी देता है 5 माह के अंदर कार्य पूरा नही किया गया तो स्टेशन परिसर में धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस मौके पर प्रदेश मंत्री शाहआलम मंसुरी, तुषार क्रष्टल, इमरान सभासद, अन्ना खान, इरफान मंसुरी, मुजीव, शुभम अग्रवाल, राजा कुरैशी सभासद, अमन कोहली आदि मौजूद रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत तीन दिवसीय दिव्य गर्भसंस्कार कार्यशाला का आयोजन

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की प्रेरणा से भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ते हुए एक अनूठी दिव्य गर्भसंस्कार कार्यशाला का आयोजन दिनांक 10, 11 व 12 जून 2025 को प्रातः 09 बजे से सांय 05 बजे तक बी.आर.रिसोर्ट, बबराला रोड, बहजोई जनपद सम्भल में किया जा रहा है। यह कार्यशाला गर्भवती महिलाओं, होने वाले माता-पिता और परिवारों को गर्भावस्था के दौरान आध्यात्मिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ संतान के लिए प्राचीन वैदिक ज्ञान से परिचित कराएगी। प्रशिक्षण के रूप में श्री मनोज कुमार बुब, पुणे, महाराष्ट्र एवं इनकी टीम के द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को उनके गर्भस्थ शिशु के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास के लिए भारतीय गर्भ संस्कार पर आधारित मार्गदर्शन मिलेगा। यह मार्गदर्शन प्राचीन परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से दिया जाएगा।

बाप और भाई ही निकले अपनी ही बेटी के हत्यारे डॉ0 समेत पांच गिरफ्तार...

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बाप और बेटे ने मिलकर अपनी ही बेटी को मौत के घाट उतारने का मामला सामने आया है डॉ० समेत पांच लोगों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। ज्ञात रहे कि 31 मई को थाना रजपुरा जनपद सम्भल पर चन्द्रकेश पुत्र श्रीराम नि० हैमदपुर थाना रजपुरा जनपद सम्भल के द्वारा अभियुक्ता पूनम द्वारा आवेदक की पुत्री मंजू उम्र करीब 19 वर्ष के साथ झगडा करना तथा पूनम व पूनम के भाई उमेश व हरनारायन आदि द्वारा मंजू के साथ गाली गलौच करना तथा अभियुक्तगण प्रमोद व उमेश व हरनारायन व पप्पी व दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा 27 मई को समय 9 बजे सुबह आवेदक की पुत्री मंजू का गला दबाकर हत्या करना और उसके बाद उसके शव को फांसी पर लटका देने के सम्बन्ध में सूचना दी गयी। इस सूचना पर थाना रजपुरा पर मुकदमा पंजीकृत कर घटना के सफल अनावरण हेतु टीमों का गठन किया गया। मृतका मंजू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्टेनगुलेशन पाया गया। पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत 9 जून को थाना रजपुरा पुलिस टीम द्वारा मुकदमे में वांछित अभियुक्तगण, चन्द्रकेश पुत्र श्रीराम ,धर्मेन्द्र पुत्र चन्द्रकेश, निवासी ग्राम हैमदपुर थाना रजपुरा जिला सम्भल, जयप्रकाश पुत्र सोनपाल निवासी ग्राम जयदासपुर थाना रजपुरा जिला सम्भल ,प्रवेश पुत्र कल्यान सिंह निवासी ग्राम अजीजपुर थाना जुनावई जिला सम्भल व अभियुक्त मधुर आर्य पुत्र जगदीश आर्य नि० हयातनगर थाना हयातनगर जनपद सम्भल हाल तैनाती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहजोई को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त मधुर आर्य से रिश्वत के 15000 रुपये की बरामदगी की गयी। मृतका मंजू पुत्री चन्द्रकेश नि० हैमदपुर थाना रजपुरा जनपद सम्भल की हत्या के अभियोग के अनावरण हेतु सर्विलांस टीम का सहयोग लिया गया जिसमें यह प्रकरण संज्ञान में आया कि मृतका मंजू का गांव के ही प्रमोद पुत्र हप्पू के साथ काफी लम्बे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसकी धीरे-धीरे गांव के लोगों व गांव के आस पास के लोगों को जानकारी हो गयी थी। प्रमोद की पत्नी पूनम ने भी मंजू व प्रमोद की आपस में वार्ता की आडियो सुन ली थी तथा पूनम ने मृतका मंजू व प्रमोद की आपस में वार्ता की आडियो अपने भाई उमेश को भेज दी थी। आडियो की बात को लेकर 26 मई में मृतका मंजू व पूनम में आपस में झगडा हुआ था। उसी दिन रात्रि में 10.00 बजे प्रमोद घर आया। प्रमोद ने अपनी पत्नी पूनम के साथ मारपीट की थी। मारपीट के समय मंजू का भाई धर्मेन्द्र भी प्रमोद के घर गया था, जिसका वहाँ पर झगडा हुआ था। इस घटना से मृतका मंजू के पिता चन्द्रकेश व भाई धर्मेन्द्र की गांव समाज में का भी लज्जित महसूस कर रहे थे। इस बात से दोनों लोग बहुत ही आहत हो गये थे। उन्हें यह आंशका थी कि अगर मंजू प्रमोद के साथ भाग गयी तो उनकी काफी बदनामी हो जायेगी। इसी बात को ध्यान में रखकर 27 मई की सुबह 6 बजे के आस पास चन्द्रकेश व धर्मेन्द्र ने मिलकर अपने घर के अन्दर मंजू की गला दबाकर हत्या कर दी, हत्या के बाद आत्महत्या का रुप देते हुये मंजू के शव को फाँसी का फन्दा लगाकर कमरे के अन्दर टांग दिया था। हत्या के बाद चन्द्रकेश व धर्मेन्द्र ने जयप्रकाश से फोन पर वार्ता की। चन्द्रकेश, धर्मेन्द्र व जयप्रकाश व प्रवेश ने मिलकर मंजू की हत्या में प्रमोद, उमेश, हरनारायन, पप्पी, पूनम को फसाने के लिये षडयन्त्र किया। षडयन्त्र के तहत जयप्रकाश ने फोन करके प्रमोद के साले उमेश को घटना स्थल पर बुलाया। लगभग सुबह 9 बजे उमेश के घटना स्थल पर आने के बाद मंजू की हत्या का आरोप प्रमोद व उसके साले उमेश पर लगा दिया था। नामजद अभियुक्त पप्पी का जयप्रकाश के साथ जमीनी विवाद था। इसलिये जयप्रकाश ने पप्पी का नाम भी लिखा दिया था और पुलिस को सूचना दे दी थी। अभियुक्तगण कम पढे लिखे है, इनको लगा कि जब मंजू के गले में फन्दा डालकर लटका दिया है, तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैगिंग आ सकती है, इसलिये यह सुनिश्चित करने के लिये कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्टेनगुलेशन ही आये, मुल्जिमान ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहजोई में नियुक्त फार्मासिस्ट मधुर आर्य से साठ गांठ करके पचास हजार रुपये में बात तय की। अभियुक्तगण के द्वारा रुपये की व्यवस्था करके पचास हजार रुपये अभियुक्त मधुर आर्य को समय 5 बजे तक दे पाये। जिस कारण मृतका मंजू का पोस्टमार्टम 27 मई को न होकर अगले दिन 28 मई को हो पाया। अभियुक्त मधुर आर्य के फोन के अवलोकन से यह पाया गया कि वह विभिन्न थानों पर पंजीकृत मुकदमों में मजरुबों की मेडीकल रिपोर्ट के साथ रिश्वत लेकर हेर फेर करता है। अभियुक्त मधुर आर्य अपने आप को डिप्लोमा फार्मेसिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष बताते हुये लोगों पर अपना प्रभाव दिखाता है और इस प्रभाव का दुरुपयोग करते हुये मेडीकल रिपोर्ट में हेर फेर कराने की रिश्वत लेता है। इसी कारण अभियुक्त डॉ०मधुर आर्य को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

दिल्ली में 2028 तक कूड़े के पहाड़ों का कर देंगे सफाया, दिल्ली नगर निगम ने बनाया प्लान; पढ़ें डिटेल

2028 में लैंडफिल पर कूड़ा डालने की नहीं पड़ेगी जरुरत, कूड़े के पहाड़ भी हो जाएंगे खत्म वेस्ट टू एनर्जी प्लांट बनने और क्षमता बढ़ने से कूड़े के निस्तारण की बढ़ जाएगी क्षमता सरकार को जमा किया है निगम ने कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने औरनिस्तारण का प्लान

नई दिल्ली: अगर, सब कुछ ठीकठाक रहा तो दिसंबर 2028 तक न केवल दिल्ली से कूड़े के पहाड़ इतिहास बन चुके होंगे बल्कि नए कूड़े के पहाड़ न बने ऐसे भी इंतजाम राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हो जाएंगे। दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली सरकार को कूड़ा निस्तारण के लिए जो कार्ययोजना जमा की है उसके अनुसार दिल्ली में जितना कूड़ा उत्पन्न होगा उसके निस्तारण की क्षमता उससे ज्यादा हो जाएगी। 2028 तक दिल्ली में प्रतिदिन 13229 टन कूड़ा उत्पन्न होने का अनुमान है। बिजली बनाने के प्लांट ओखला और तेहखंड के विस्तार, गाजीपुर में नए प्लांट और 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के चार बायोगैस प्लांट बनने से कूड़ा निस्तारण की क्षमता 14000 टन प्रतिदिन हो जाएगी। दिल्ली में कूड़ा निकल रहा 11300 टन, निस्तारण सिर्फ 8010 टन का फिलहाल दिल्ली में 11300 टन प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कूड़े में से 8010 टन प्रतिदिन ही निस्तारित हो पा रहा है जबकि शेष तीन हजार टन प्रतिदिन के करीब लैंडफिल पर डाला जा रहा है। अब एमसीडी की स्थायी समिति का भी गठन होने जा रहा है तो अब कूड़ा निस्तारण से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं में मंजूरी में भी देरी नहीं होगी। निगम की योजना है कि वर्तमान ओखला के कूड़े से बिजली बनाने के संयंत्र से 1550 टन प्रतिदिन कूड़ा निस्तारण होता है। निगम इसकी क्षमता एक हजार टन प्रतिदिन बढ़ाने पर काम कर रहा है। निगम की योजना है कि 31 मार्च 2027 तक इस कार्य को पूरा कर लिया जाए। तेहखंड और गाजीपुर प्लांट की क्षमता बढ़ाने का चल रहा काम इसी तरह तेहखंड के कूड़े से बिजली बनाने के संयंत्र की क्षमता एक हजार टन प्रतिदिन दिसंबर 2027 तक बढ़ जाएगी। गाजीपुर में भी 2000 टन प्रतिदिन कूड़ा निस्तारण के लिए कूड़े से बिजली बनाने का संयंत्र दिसंबर 2028 तक पूरा करने पर निगम कार्य कर रहा है। इससे सीधे तौर पर चार हजार टन प्रतिदिन की क्षमता को कूड़े से बिजली बनाने के संयंत्रों से बढ़ जाएगी। जबकि 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के चार बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जाने की योजना भी 2027 तक के आखिर तक की है। इससे 2000 टन कूड़ा निस्तारित हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि निगम ने लक्ष्य रखा है दिसंबर 2028 तक तीनों कूड़े के पहाड़ों को पूरी तरह खत्म करके उस क्षेत्र को हरा भरा विकसित कर दिया जाए। कितना कूड़ा उत्पन्न होता है एमसीडी क्षेत्र से निकल रहा कूड़ा 11000 टन प्रतिदिन एनडीएमसी 300 टन प्रतिदिन कुल कूड़ा रोज निकलता है 11300 टन अभी निस्तारित किया जा रहा कूड़ा 8010 टन प्रतिदिन है किस वेस्ट टू प्लांट की कितनी क्षमता प्लांट क्षमता ओखला 1550 नरेला-बवाना 2500 गाजीपुर 1 3 0 0 तेहखंड 2000 211 क्षेत्रीय कंपोस्ट पिट600 20 कंपोस 20 नोटः निस्तारण की मात्रा टन प्रतिदिन के हिसाब से है। प्रस्तावित प्लांट से कितना निस्तारित हो जाएगा तेहतखंड में वर्तमान प्लांट से कूड़ा निस्तारण की क्षमता 2027 तक 1000 बढ़ जाएगी

एसीबी की जांच में आज शामिल नहीं होंगे मनीष सिसोदिया, 2000 करोड़ के क्लासरूम घोटाले से जुड़ा है मामला

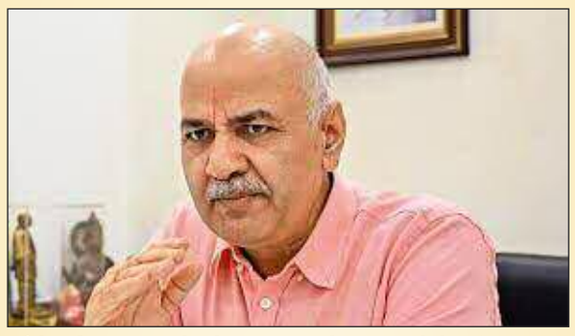

नई दिल्ली। 2000 करोड़ के क्लासरूम घोटाला मामले में पूर्ववर्ती दिल्ली सरकार में उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया आज सोमवार (9 जून) को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की जांच में शामिल नहीं होंगे। इस मामले में छह जून को पहले दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे सत्येंद्र जैन से एसीबी ने पूछताछ की थी। इसके बाद आज यानी 9 जून को मनीष सिसोदिया को जांच में शामिल होने के लिए एसीबी मुख्यालय में बुलाया गया था। उन्हें सुबह 11 बजे बुलाया गया था। उनके वकील ने जांच अधिकारी को फोन कर बताया कि सिसोदिया किसी दूसरे कार्यक्रम में व्यस्त हैं। वह मेल कर जानकारी देंगे कि आज वह क्यों जांच में शामिल नहीं हो पाए। क्या बोले एसीबी चीफ? एसीबी चीफ संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा का कहना है कि अब तक सिसोदिया ने मेल पर कोई जानकारी नहीं दी है। नहीं आने का स्पष्ट कारण नहीं बताया है। जल्द उन्हें दोबारा नोटिस भेज जांच में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। सत्येंद्र जैन को भी दोबारा पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा जाएगा। बता दें कि दोनों नेताओं पर आप सरकार के समय स्कूलों में हर क्लासरूम के निर्माण में पांच गुना अधिक भुगतान करने का आरोप है। एसीबी के मुताबिक, 1,200 रुपये स्क्वायर फीट की दर से सेमी परमानेंट स्ट्रक्चर के रूप में क्लासरूम का निर्माण किया गया, जबकि 2,100-2200 रुपये स्क्वायर फीट की दर से परमानेंट स्ट्रक्चर का बिल का भुगतान किया गया। सभी बिल पर सिसोदिया के दस्तखत हैं।

इंटरव्यू देने जा रहे थे बाइक सवार दोस्त, ट्रैक्टर की चपेट में आने से दोनों की दर्दनाक मौत

नोएडा: सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के छिजारसी गोल चक्कर के पास सोमवार सुबह ट्रैक्टर ने दो बाइक सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। दोनों को अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। उधर, पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त करते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। एक्सपोर्ट कंपनी में इंटरव्यू देने जा रहे थे दोनों छिजारसी गांव में रहने वाले दो सुभाष और जगदीश के लिए बड़ा दिन था, दोनों बाइक से नोएडा स्थित एक एक्सपोर्ट कंपनी में इंटरव्यू देने जा रहे थे। दोनों जैसे छिजारसी गोल चक्कर कैंपस पहुंचे तो एक ट्रेक्टर चालक लापरवाही से चलाते हुए आया और बाइक सवार दोनों दोस्तों को पीछे से टक्कर मारकर चपेट में ले लिया। शादीशुदा थे दोनों, अस्पताल में तोड़ा दम दोनों सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। दोनो को पास के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्वजन के मुताबिक सुभाष और जगदीश दोनों शादीशुदा थे। स्वजन ने चालक के खिलाफ सेक्टर 63 थाने में शिकायत दी है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 66 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली: वजीरपुर और नई सब्जी मंडी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे 11 परिवारों के 66 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किया। उत्तर-पश्चिमी जिले की फॉरेनर सेल की टीम ने यह कार्रवाई की है। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने क्षेत्र में रह रहे इन बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान को निरीक्षक विपिन कुमार (फॉरेनर सेल) एवं रंजीव कुमार, एसीपी/फॉरेनर सेल के नेतृत्व में चलाया गया। उप निरीक्षक सपन, उप निरीक्षक श्यामबीर, सहायक उप निरीक्षक विनय की टीम बनाई। इस टीम में सिपाही हवा सिंह, प्रधान सिपाही टीका राम, प्रधान सिपाही प्रवीण, प्रधान सिपाही कपिल, प्रधान सिपाही विकास, सिपाही निशांत व दीपक शामिल रहे। भरत नगर, नई सब्जी मंडी और महेंद्र पार्क चौकी क्षेत्र से पकड़ा छह जून 2025 को भरत नगर, नई सब्जी मंडी एवं महेंद्र पार्क चौकी क्षेत्रों में अभियान चलाकर अवैध रूप से रह रहे 66 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर की गई थी, जिसमें इन क्षेत्रों में अवैध प्रवासियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। उत्तर-पश्चिमी जिले की विदेशी शाखा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीमों का गठन किया गया और 06 जून को समन्वित अभियान प्रारंभ किया गया। हाल ही में हरियाणा से आकर दिल्ली में बसे थे ये बांग्लादेशी सूचना के अनुसार ये 11 परिवार हाल ही में हरियाणा से आकर दिल्ली में रहने लगे थे, जहां पुलिस की कार्रवाई के चलते उन्होंने दिल्ली में घनी आबादी वाले इलाकों में शरण ली। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि ये सभी परिवार पहले गांव तैन, नूंह (पूर्व में मेवात), हरियाणा के भट्ठों में श्रमिक के रूप में कार्यरत थे। दिल्ली आगमन के पश्चात उन्होंने निगरानी से बचने के लिए दो समूहों में बंटकर अलग-अलग क्षेत्रों में रहना शुरू किया।

त्रिलोकपुरी मेट्रो स्टेशन पर लगी आग, ट्रेन सेवाएं रहीं बाधित; दमकलकर्मियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन पर ट्रेन सेवाएं सोमवार को कुछ समय के लिए बाधित रही। डीएमआरसी के मुताबिक, त्रिलोक पुरी-संजय लेक मेट्रो स्टेशन के एक कमरे में आग लगने और धुआं निकलने के कारण मजलिस पार्क से शिव विहार रूट पर ट्रेन सेवाएं सुबह 11:20 बजे से कुछ समय के लिए प्रभावित रही। डीएमआरसी के मुताबिक, धुआं निकलने के कारण से स्टेशन पर सिग्नलिंग/एएफसी सिस्टम में गड़बड़ी उत्पन्न हुई, जिसके कारण ट्रेनों को निम्न तरीके से संचालित किया गयाः त्रिलोकपुरी-संजय लेक स्टेशन पर दोनों दिशाओं से आने वाली ट्रेनें फिलहाल सिग्नलिंग न मिल पाने के कारण 25 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमित गति से चल रही है। पिंक लाइन के बाकी हिस्सों पर ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। यात्रियों को ट्रेन सेवाओं के बारे में अपडेट करने के लिए स्टेशन परिसर और ट्रेनों के अंदर लगातार घोषणाएं की जा रही है। डीएमआरसी के मुताबिक, दिल्ली अग्निशमन सेवा कर्मियों की मदद से धुआं पर काबू पा लिया गया है और प्रभावित सेक्शन में सिग्नलिंग/एएफसी को बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि मौके पर दमकल की 4 गाड़ियां पहुंची थी।

बिजली के पैनल में शॉट सर्किट से लगी आग, दो लोगों की जलकर हुई मौत

पूर्वी दिल्ली। नंद नगरी थाना क्षेत्र के कोढ़ी कॉलोनी में रविवार रात 25 गज के मकान के भू-तल पर भीषण आग लग गई। आग में जलकर दो लोगों की मौत हो गई। भू-तल पर बिजली के पैनल में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी से आरवन-15 बाइक में आग लगी। हादसे के वक्त दो ई-रिक्शा अवैध रूप से चार्ज हो रहे थे। रिक्शों की बैटरियां फटने से आग विकराल हो गई। ऊपरी मंजिल पर मौजूद सात लोगों ने घर के बाहर भागकर अपनी जान बचाई। मृतकों की पहचान शशि व इसके रिक्शा चालक बुजुर्ग बबलू के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाडियां मौके पर पहुंची और एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नंद नगरी थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जीटीबी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। मंगलवार को पोस्टमार्टम होगा। विजय के पास दो ई-रिक्शा हैं, जो वह किराये पर चलवाते थे शशि अपने परिवार के साथ ताहिरपुर स्थित कोढी कॉलोनी की श्मशान वाली गली में दो मंजिला मकान में रहते थे। उनके पिता विजय कुमार, मां मीरा देवी तीन भाई हैं जो पहली मंजिल पर रहते हैं। दूसरी मंजिल में किरायेदार रहते हैं। शशि निजी बस में परिचालक थे। विजय कुमार कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश स्थित वैशाली अपने पैतृक घर गए थे। विजय के पास दो ई-रिक्शा हैं, जो वह किराये पर चलवाते थे। बिजली के पैनल मे अचानक से चिंगारी निकलने लगी रात को रिक्शे घर के भू-तल पर खड़े होते थे और अवैध रूप से चार्ज किए जाते थे। हादसे में जान गंवाने वाले बबलू बेघर है। वह कभी-कभी विजय के रिक्शे चलाते थे। रविवार को गर्मी अधिक थी, वह उनके घर के भू-तल पर सोने के लिए आए थे। परिवार ने बताया कि शशि व बबलू भू-तल पर सो रहे थे। रात करीब 12 बजे भू-तल पर लगे बिजली के पैनल मे अचानक से चिंगारी निकलने लगी। पास ही बाइक खड़ी थी। बाइक में आग लगते ही वहां धुंआ भर गया। शशि व बबलू अंदर ही फंस गए। धीरे-धीरे आग बढ़ती चली गई। भू-तल पर धमाके हुए हुए थे ऊपरी मंजिल के लोग सीढ़ियों से गली में भागे। परिवार ने उन दोनों को निकालने की कोशिश की, कामयाब नहीं हो सके। दमकल ने आग पर काबू पाया और सर्च आपरेशन चलाकर दोनों के जली हुई हालत में शव बाहर निकाले।

दिल्ली-एनसीआर में डरा रहे कोरोना के मामले, फ्लू जैसे लक्षणों को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में बढ़ रहे कोरोना के मामले डराने लगे हैं। दिल्ली में रविवार को 24 घंटे में कोरोना के 21 नए मामले सामने आए। वहीं, गाजियाबाद में एक नया कोरोना मरीज मिला है। इसके अलावा गुरुग्राम से कोरोना के 10 नए मरीज मिले हैं। दिल्ली में 132 मरीज कोरोना से ठीक हुए हैं। अब तक कुल 1024 मरीज रिकवर हो चुके हैं। वहीं अभी तक राजधानी में सात मरीजों की जान गई है। ऐसे में प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टर कोरोना मरीजों को देखने से कतरा रहे हैं। वह वीडियो कंसल्टेशन के माध्यम से सलाह देने को प्राथमिकता दे रहे हैं। गुरुग्राम में कोरोना के 10 नए मरीजों की पुष्टि साइबर सिटी गुरुग्राम में रविवार को कोरोना के 10 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। शहर में अब तक कोरोना के 76 मरीजों की पुष्टि हो गई है। सभी मरीजों को कोरोना के हल्के लक्षण हैं। सभी को होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रविवार को कोरोना के 320 सैंपल लिए गए हैं। साथ ही शहर में एक्टिव मरीजों की संख्या 41 पहुंच गई है। वहीं 35 मरीज कोरोना के रिकवर भी हो गए हैं। सिविल सर्जन डॉ. अलका सिंह ने आमजन से भी अपील की कि वे फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। किसी भी प्रकार के लक्षण सामने आने पर शीघ्र नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें, कोरोना टेस्ट कराएं और चिकित्सकीय परामर्श लें। गाजियाबाद में कोरोना का एक मरीज मिला गाजियाबाद में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। रविवार को एक 50 वर्षीय व्यक्ति में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इस साल अभी तक कोरोना के कुल 57 केस मिल चुके हैं। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन के रहने वाले एक 50 वर्षीय व्यक्ति को जुकाम बुखार की समस्या थी। जांच कराने पर कोरोना की पुष्टि हुई। मरीज को घर पर ही आइसोलेट किया गया है। फिलहाल जिले में कोरोना के कुल 12 केस सक्रिय हैं। इनमें 11 मरीज होम आइसोलेट हैं और एक अस्पताल में भर्ती है।

गजरौला में एआईएमआईएम की बैठक का हुआ आयोजन

अमरोहा/गजरौला (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम आलमनगर में आयोजित बैठक में एआईएम आईएम के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. टीपी सिंह ने कहा कि सभी धर्मों और जातियों के लोगों ने आजादी के बाद से लेकर अब तक अपनी पार्टी पर भरोसा किया और सत्ता प्राप्त की, इसलिए मुस्लिम समाज के लोगों को भी चाहिए कि वे एआईएमआईएम के झंडे के नीचे आएं और अपनी राजनैतिक आवाज को बुलंद करें। कहा कि देश के मुस्लिमों की दुर्दशा के लिये देश की सेकुलर पार्टियों को जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि आज देश में मुस्लिमों और दलितों पर दमन बढ़ रहा है। कहा कि संविधान बचाने के लिये यह जरूरी है कि भाजपा से सत्ता छीनी जाए। बैठक में नबी हसन सैफी, इकरामुद्दीन सैफी, जाने आलम, राशिद सैफी, हारून सैफी, नरेन्द्र जाटव, जुनैद, शाहरूख, महेन्द्र, महावीर, नवा. जिश, रईसदुद्दीन, इरफान, साजिद, कृपाल, महावीर, सोनू आदि मौजूद रहे। बैठक का संच. लिन विधानसभा अध्यक्ष जाने आलम ने किया।

दिल्ली के नांगलोई में भरभरा कर गिरी दो मंजिला इमारत, 8 वर्षीय बच्चे की मौत; 2 घायल

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई इलाके में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां दो मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में 8 साल के बच्चे की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इमारत किस वजह से अचानक भरभरा कर गिर गई, इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। समाचार एजेंसी एएनआई ने दिल्ली फायर सर्विसेज के हवाले से यह जानकारी दी है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, यह हादसा कमरुद्दीन नगर के दीपांशु पब्लिक स्कूल के पास हुआ है। पहली मंजिल की बालकनी और ग्राउंड फ्लोर की छत गिर गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। एक मासूम की जान चली गई। धायलों को प्राथमिक उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया है।

दिलशाद गार्डन में चार्जिंग स्टेशन पर ई-रिक्शा में लगी आग, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के दिलशाद गार्डन के कोडी कॉलोनी में चार्जिंग के लिए रखे दो ई-रिक्शा में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना रविवार देर रात घटी। ई-रिक्शा की चार्जिंग की वजह से लगी आगः दमकल विभाग फायर ऑफिसर अनूप सिंह ने बताया, "हमें रात 11.32 बजे सूचना मिली। आग दिलशाद गार्डन के कोडी कॉलोनी में लगी थी। हम मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग बुझाने के बाद पता चला कि दो ई-रिक्शा और मोटरसाइकिलें जलकर खाक हो गई हैं। आग की घटना में दो लोगों की मौत भी हो गई। मरने वालों में एक की उम्र 24 साल और दूसरे की उम्र 60 साल है। ऐसा लगता है कि ई-रिक्शा की चार्जिंग की वजह से आग लगी। आगे की जांच जारी है।" इससे पहले पूर्वी दिल्ली में विवेक विहार थाना क्षेत्र के विश्वकर्मा में एक अवैध चार्जिंग स्टेशन में आग लग गई थी। आग लगते ही रिक्शों की बैटरियां फट गई थी।

दिल्ली फार्मेसी घोटाला मामले में पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह को बेल, फार्मासिस्टों की फर्जी तरीके से की थी भर्ती

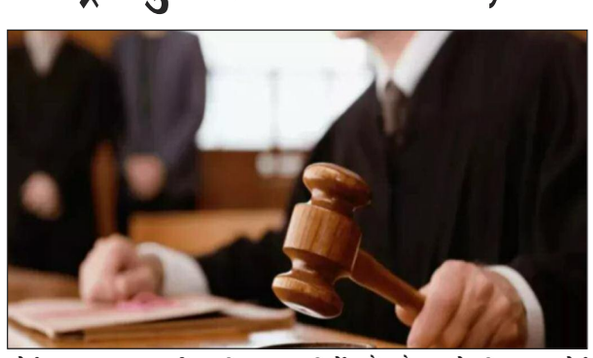

नई दिल्ली। दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) में फर्जी डिप्लोमा के जरिए फार्मासिस्टों की भर्ती घोटाले में गिरफ्तार पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह को अदालत ने सशर्त जमानत दे दी। पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश दीपाली शर्मा की अदालत ने कहा कि जांच में कुलदीप से अब कोई और बरामदगी शेष नहीं है और सह-आरोपितों को पहले ही जमानत दी जा चुकी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुबूत पहले ही जब्त किए जा चुके हैं, ऐसे में अब कुलदीप सिंह की आगे की हिरासत से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा।कोर्ट ने कुलदीप सिंह को 50 हजार के निज मुचलके और उतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने कुलदीप पर जमानत की शर्तें भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि आरोपित जांच में पूरा सहयोग करेगा और बुलाने पर हाजिर होगा। वह किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करेगा, न ही जमानत के दौरान सुबूतों से छेड़छाड़ करेगा। वहीं, आरोपित बिना अनुमति देश भी नहीं छोड़ सकेगा। इसके साथ ही अपना पता बदलने पर तुरंत संबंधित जांच अधिकारी को इसकी सूचना देगा। उसके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं: अधिवक्ता मामले की सुनवाई के दौरान कुलदीप सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता ने दलील दी कि उनका मुवक्किल निर्दोष हैं और उसके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है। अधिवक्ता ने दलील दी कि न तो कोई बरामदगी बाकी है और न ही आरोपित अब किसी जांच को प्रभावित कर सकता है। वही, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश लोक अभियोजक ने आरोपित की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए दलील दी कि कुलदीप सिंह इस पूरे घोटाले का केंद्र हैं। आरोपित ने घोटाले में सक्रिय भूमिका निभाई है, इसलिए उसे राहत नहीं दी जानी चाहिए थी। अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपित की कॉल डिटेल रिकार्ड से पता चला है कि वो मामले में मुख्य बिचौलिए संजय से लगातार संपर्क में था। मामला दिल्ली सरकार की शिकायत पर दर्ज ये मामला दिल्ली सरकार की शिकायत पर दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपित कुलदीप सिंह ने अपने पद का दुरुपयोग कर फर्जी डिप्लोमा और प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों के आधार पर कई लोगों को फार्मासिस्ट के रूप में पंजीकृत किया। दलालों के माध्यम से रिश्वत लेकर ये पंजीकरण मंजूर किए गए। जांच में ये सामने आया कि यह गोरखधंधा वर्ष 2021 से चल रहा था और कई उम्मीदवारों के दोहरे प्रमाणपत्र अपलोड किए गए थे, इसमें कई के गलत रिकार्ड भी पाए गए। मामले में 44 सह-आरोपितों को पहले ही जमानत दी जा चुकी है।

विश्व नेत्रदान दिवस आज, कई फिल्मी सितारें ले चुके हैं आंखें दान करने का संकल्प

मुंबई, (एजेंसी)। आंखें जिससे हम इस खूबसूरत दुनिया को देखते हैं यह हमारे शरीर का खास अंग है। आंखों के महत्व समझाने के लिए दुनियाभर में 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस मनाया जाता है। नेत्रदान एक नेक कार्य है, जो किसी के जीवन में रोशनी ला सकता है। भारत में कई सितारों ने नेत्रदान का संकल्प लेकर समाज को प्रेरित किया है। इन सितारों ने न सिर्फ अपनी आंखें दान करने का वादा किया, बल्कि लोगों को इस नेक कार्य के लिए प्रोत्साहित भी किया हैं। इन सेलेब्स में ऐश्वर्या राय, अमिताभ बच्चन, रानी मुखर्जी, आदित्य पंचोली, रणदीप हुड्डा जैसे कई सितारे शामिल हैं। बिग बी अमिताभ बच्चन ने एक एनजीओ के साथ मिलकर अपनी आंखें दान करने की घोषणा की थी। उनकी यह पहल कई लोगों के लिए प्रेरणा बनी। वहीं, बच्चन परिवार की बहू और अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने करियर की शुरुआत में ही आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया को अपनी आंखें दान करने का संकल्प लिया था। नेत्रदान करने वाले सितारों की सूची में अभिनेत्री रानी मुखर्जी का भी शामिल है। रानी का मानना है कि दो आंखें दान करने से किसी की जिंदगी को रोशन किया जा सकता है। रणदीप हुड्डा और काजल अग्रवाल ने साल 2016 में आई फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी' में काम करने के बाद नेत्रदान का संकल्प लिया था। रणदीप ने 2016 में नेशनल ऑर्गन डोनेशन डे पर यह घोषणा की थी। तो ऐसे भी कुछ दिवंगत स्टार्स हैं जिनकी आंखों से लोग दुनिया देख रहे हैं। इनमें कन्नड़ सुपरस्टार पुनीत राजकुमार भी शामिल हैं। साल 2021 में मृत्यु के बाद उनकी आंखें दान की गई थीं। उनके पिता डॉ. राजकुमार ने भी 1994 में परिवार की आंखें दान करने का संकल्प लिया था।

शशि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा समाप्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। (कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा समाप्त किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लांडाउ सहित कई राजनयिक एवं राजनीतिक नेताओं से मुलाकात कर पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति को बताया। कांग्रेस सांसद थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की संपर्क पहल के तहत अमेरिका गया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। प्रतिनिधिमंडल तीन जून को अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन पहुंचा और तीन दिनों के दौरान 'कैपिटल हिल' में अमेरिकी सांसदों, विदेश नीति विशेषज्ञों, विचारक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, मीडिया एवं प्रवासी भारतीय समुदाय से मुलाकात की। थरूर ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से हुई लगभग 25 मिनट की मुलाकात को 'उत्कृष्ट' बताया। उन्होंने कहा, 'वेंस ने पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की संयमित प्रतिक्रिया के प्रति समर्थन जताया।' प्रतिनिधिमंडल ने सदन की विदेश मामलों की समिति, इंडिया कॉकस, सीनेट की विदेश मामलों की समिति के नेताओं सहित कई अमेरिकी सांसदों से भी बातचीत की।

कोयले आधारित थर्मल पावर प्लांटों के लगाने से गहराने लगा जल संकट

-महाराष्ट्र का सोलपुर जिला इसका ताजा उदाहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लगातार बढ़ती जनसंख्या और तेज होते औद्योगीकरण के कारण ऊर्जा की मांग बढ़ी है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार कोयले आधारित थर्मल पावर प्लांटों पर अधिक जोर दे रही है, क्योंकि देश में कोयले की पर्याप्त मौजूदगी है। हालांकि, इन संयंत्रों को चलाने के लिए भारी मात्रा में पानी की जरुरत होती है, जिससे उन इलाकों में जल संकट उत्पन्न होता है, जहां ये संयंत्र स्थापित किए जाते हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले का उदाहरण इस संकट को साफ तौर पर दिखाता है। यहां एनटीपीसी द्वारा 2017 में एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र लगाया गया, इसके बाद गर्मियों में पानी की भारी किल्लत शुरू हो गई है। पहले जहां हर दूसरे दिन पानी की आपूर्ति होती थी, अब सप्ताह में केवल एक बार ही नलों में पानी आता है। सोलापुर जैसे ही हालात उन अन्य क्षेत्रों में भी हैं जहां इसतरह के संयंत्र लगे हुए हैं। भारत में 17 प्रतिशत वैश्विक जनसंख्या है, लेकिन उसके पास केवल 4 प्रतिशत जल संसाधन हैं। इसके बावजूद सरकार 2031 तक 80 अरब डॉलर उन पावर प्रोजेक्ट्स पर खर्च करने जा रही है जो अत्यधिक जल की खपत करते हैं। ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि प्रस्तावित 44 नई थर्मल परियोजनाओं में से 37 जल संकटग्रस्त क्षेत्रों में स्थापित हो रही हैं। एनटीपीसी की 98.5 प्रतिशत परियोजनाएं भी उन्हीं क्षेत्रों में हैं जहां पानी की भारी कमी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से भविष्य में स्थानीय लोगों और उद्योगों के बीच जल को लेकर टकराव और गहरा हो सकता है।

हालांकि भारत ने कुछ वर्षों पहले कोयले पर निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठाए थे, लेकिन कोविड महामारी के बाद यह नीति उलट दी गई। सरकार ने सौर और जल विद्युत परियोजनाओं में निवेश जरूर किया है, फिर भी थर्मल पावर प्लांट भविष्य में भी ऊर्जा आपूर्ति में अहम भूमिका निभाने वाले है। 2014 से अब तक जल की कमी के कारण भारत को 60.33 अरब यूनिट कोयला आधारित बिजली का नुकसान हो चुका है, जो जून 2025 के अनुमानित स्तर पर 19 दिनों की बिजली आपूर्ति के बराबर है। सोलापुर के स्थानीय लोगों की दिनचर्या अब पानी जमा करने में ही बीतती है। एनटीपीसी भले ही संयंत्र में रिसायक्लिंग और ट्रीटमेंट जैसे उपाय अपना रही है, लेकिन यह संयंत्र अब भी देश के सबसे कम जल-कुशल संयंत्रों में गिना जाता है। जल संकट के इस गंभीर पहलू को अब ऊर्जा नीति में शामिल कर दीर्घकालिक समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

शाह ने मदुरै से भरी हुंकार... सत्तारूढ़ द्रमुक के दिन गिने-चुने बचे

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै में सैंकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले पूरा दम लगाने का आह्वान किया। राज्य को एक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र के रूप में पेश कर शाह ने घोषणा की कि सत्तारूढ़ द्रमुक के दिन गिने-चुने बचे हैं, और भाजपा और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तमिलनाडु में सत्ता में आएगा।

शाह ने कहा कि मदुरै एक ऐसा शहर है जो कई बदलावों का संकेत देता है... मैं जहां भी हूं, मैं हमेशा तमिलनाडु की बात सुनता हूं। उन्होंने कहा कि उनके शब्द राष्ट्रीय मिसालों के वजन के साथ आए हैं। शाह ने कहा कि 2024 में, जब मोदी तीसरी बार दिल्ली में सत्ता में आए, तब हमने ओडिशा में भी पूरी ताकत से सत्ता हासिल की। ??2025 में, दिल्ली में आप को हराया गया और भाजपा की सरकार बनी। इसी तरह, भाजपा 2026 में तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर सीधा निशाना साधकर शाह ने कहा, यहां के सीएम कहते हैं कि शाह डीएमके को नहीं हरा सकते। हां, कोशिश करें, लेकिन राज्य के लोग आपको हरा देने वाले है। मेरे लंबे राजनीतिक जीवन में, और जैसा कि मैं लोगों की नब्ज जानने में सक्षम हूं, मैं कह रहा हूं कि तमिलनाडु के लोग आगामी चुनावों में डीएमके को हराने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं तमिलनाडु के अपने भाजपा कार्यकर्ताओं से माफी मांगता हूं क्योंकि मैं उनसे भारत की सबसे महान भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता, और दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट का स्वागत किया।

शाह ने सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, हमारी सेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उनकी (पाकिस्तान की) जमीन पर आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया। अन्य सभी क्षेत्रों की तरह मोदी सरकार ने देश की रक्षा में भी अपनी क्षमता साबित की है।

नकवी का कांग्रेस पर तंज..उनकी कुंठा का कारण परिवार को सत्ता न मिलना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के 11 साल पूरे होने उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद की ये सबसे बेहतरीन सरकार है।

नकवी ने कहा कि वे मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को निरंतरता के साथ सुशासन के सफल सफर के रूप में देखते हैं। उन्होंने मोदी सरकार को आजादी के बाद की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार बताया, जो बिना वंशवाद या कांग्रेस के रिमोट कंट्रोल के सुशासन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही है। नकवी ने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए कहा, उनकी कुंठा का कारण परिवार को सत्ता न मिलना, इसकारण उनकी बैचेनी सामने आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा समर्थित सरकारों को रिमोट से नियंत्रित करने या उन्हें अस्थिर करने की कोशिश की, जैसे चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर, देवेगौड़ा और गुजराल की सरकारों के साथ हुआ। उन्होंने कहा, मनमोहन सिंह नाम के प्रधानमंत्री थे, लेकिन सुपर प्राइम मिनिस्टर का कार्यालय उनके हर कदम को नियंत्रित करता था। पीएम मोदी ने 2014 में इसी धारणा को तोड़ा और आज देश सुरक्षित हाथों में है।' बिहार में चिराग पासवान के सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने के बयान पर नकवी ने कहा, 'कुछ लोग निष्क्रिय हैं, तब कुछ सुर्खियों में। लेकिन एनडीए एकजुट होकर बिहार में फिर से सरकार बनाएगी और जनता का जनादेश हासिल करेगी।' उन्होंने सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल बिहार गए थे। वहां बकवासबाजी और बकईती करके आए हैं, इस तरह से काम नहीं चलेगा।

बीते 11 साल मोदी सरकार ने भारत की राजनैतिक संस्कृति को बदला

-केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 11 साल पूरे कर रहे हैं...11 साल में जो पीएम मोदी के नेतृत्व काम हुआ है वह स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला काम हुआ है। देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण व समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनीतिक संस्कृति का तरीका बना चुका था। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई है, जिस सरकार ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की। हम जो काम कर रहे हैं, उस काम को हम जनता के सामने रखें। बीते 11 साल में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला है। नड्डा ने कहा, ...मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक को खत्म करने का साहसिक फैसला लिया। एक और साहसिक फैसला नया वक्फ अधिनियम बनाना था। इस पर चर्चा चल रही है। कुछ अन्य साहसिक फैसलों में नागरिकता संशोधन अधिनियम, नोटबंदी, 33 प्रतिशत महिला आरक्षण शामिल हैं...हम सब जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से सीधे 5 वें स्थान पर आ गई और अब ये चौथे स्थान पर आ गई है।

जेपी नड्डा ने कहा, आज भारत का आम नागरिक कहता है कि मोदी है तो मुमकिन है...पिछले 11 वर्षों में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया...लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव, मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।

डीएमके राज्य में डिजिटल बूथ-स्तर को करेगी मजबूत, आगामी चुनाव की तैयारी

सीएम स्टालिन ने युवा विंग की सक्रिय भागीदारी का किया आह्वान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने 2026 विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एम के स्टालिन ने हाल ही में पार्टी पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की, जहां उन्होंने डिजिटल प्रचार और युवाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। स्टालिन ने अपनी पार्टी के जिला सचिवों, विधायकों, सांसदों और 234 निर्वाचन क्षेत्र के पर्यवेक्षकों को पूरे राज्य में बूथ डिजिटल एजेंट नियुक्त करके बूथ-स्तर की उपस्थिति को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने मतदाताओं तक गहरी पहुंच तय करने के लिए बूथ समितियों में डीएमके युवा विंग की सक्रिय भागीदारी का भी आह्वान किया। बैठक में पार्टी के राज्यव्यापी सदस्यता अभियान को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका शीर्षक ओरानियिल तमिलनाडु है, जिसकी घोषणा हाल ही में मदुरै में हुई आम परिषद की बैठक में की गई थी।

उपमुख्यमंत्री और युवा विंग के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने बूथ स्तर पर युवा कार्यकर्ताओं को संगठित करने की प्रतिबद्धता जताते हुए अभियान को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। सीएम ने साफ कहा कि वह बूथ समितियों के कामकाज की दैनिक आधार पर व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं से आग्रह किया कि वे तय करें कि समिति के सदस्य हर घर में मतदाताओं से जुड़ें और सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालें।

पार्टी की मुख्य चुनाव समिति में महासचिव और राज्य मंत्री दुरईमुरुगन, उदयनिधि स्टालिन, संगठन सचिव आर एस भारती, मंत्री के एन नेहरू और थंगम थेन्नारासु शामिल हैं। डिजिटल रणनीति का नेतृत्व उद्योग मंत्री टीआरबी राजा कर रहे हैं, जो पार्टी के आईटी विंग सचिव के रूप में भी काम करते हैं। राजा को एक पेशेवर टीम के जरिए डीएमके की डिजिटल उपस्थिति को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है जो जनता से सीधे जुड़ने के लिए आधुनिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करती है।

उन्होंने हाल ही में बूथ डिजिटल एजेंटों को रियल टाइम में क्षेत्र-स्तरीय गतिविधियों को ट्रैक और अपडेट करने में मदद करने के लिए एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सीएम स्टालिन ने कोर कमेटी को हर उस घर तक पहुंचने का निर्देश दिया, जहां कम से कम एक सरकारी योजना का लाभार्थी हो। हाल ही में हुए एक आंतरिक अध्ययन से पता चला है कि राज्य के करीब हर घर को डीएमके के नेतृत्व वाली एक या उससे ज्यादा सरकारी पहलों से फायदा मिला है।

सीएम स्टालिन ने हर बूथ पर कम से कम 30 फीसदी मतदाताओं को पार्टी सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। नए सिरे से डिजिटल और जमीनी स्तर पर जोर देने को 2026 में निर्णायक जनादेश हासिल करने की डीएमके की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

भारत-नेपाल के रिश्तों को मजबूत करने पीएम ओली अगले माह आएंगे दिल्ली

अप्रैल में पीएम मोदी की ओली से बैंकॉक समिट में हुई थी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में ओली दिल्ली आ सकते हैं। ओली पिछले साल जुलाई में नेपाल के प्रधानमंत्री नियुक्त हुए थे। नेपाल के प्रधानमंत्रियों की शपथ ग्रहण के बाद पहले विदेशी दौरे पर भारत आने की परंपरा रही है। ओली के साथ ऐसा नहीं हुआ। ओली ने परंपरा निभाने की कोशिश की लेकिन उनको भारत की सरकार से समय नहीं मिल पाया। अब उनके भारत दौरे का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल सरकार की ओर से अपने नक्शे में लिपुलेख जैसे भारत के कुछ हिस्सों को दिखाने और कुछ बयानों के चलते बीते साल दोनों देशों के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया था। ओली की ओर से ऐसे संकेत दिए गए थे, जिससे लगा था कि वह चीन को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद ओली ने बीते साल नवंबर में चीन का दौरा किया था। इससे भारत नाराज हो गया था और उनके दिल्ली आने का रास्ता साफ नहीं हो सका था। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू देउबा राणा ने अपने दिल्ली दौरे में भारत से केपी ओली की यात्रा को सुगम बनाने का अनुरोध किया था। अप्रैल में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की बैंकॉक में समिट के दौरान केपी ओली से मुलाकात हुई थी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी केपी ओली ने पीएम मोदी को फोन कर अपनी संवेदना जताई थी। इसके बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर पटरी पर लौटते नजर आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल 72 साल के केपी ओली के भारत दौरे की तैयारी चल रही है।

केपी ओली के पीएम बनने पर पीएम मोदी ने उनको बधाई देते हुए दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने और परस्पर सहयोग बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करने की उम्मीद जताई थी। हालांकि ओली के पीएम बनने से भारत और नेपाल के रिश्ते में तनाव पैदा हो गया। इसकी संभावना एक्सपर्ट पहले ही जता रहे थे क्योंकि ओली को चीन समर्थक माना जाता रहा है। ओली पहले भी तीन बार नेपाल के पीएम बन चुके हैं। पूर्व में भी केपी ओली के नेपाल पीएम रहते हुए नेपाल के भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।

बता दें अपने पहले कार्यकाल में ओली ने भारत पर नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उनकी सरकार को गिराने का आरोप लगा दिया था। उन्होंने नेपाल की सरकार में रहते हुए चीन से रिश्ते सुधारने को तरजीह दी। हालांकि अब वह भारत से रिश्ते बेहतर करने की ओर बढ़ रहे हैं।

महाराष्ट्र और मराठी भाषी लोगों के हित में काम को तैयार : आदित्य ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ संभावित पुनर्मिलन की बढ़ती अटकलों को हवा दी, इसके बाद पार्टी नेता और विधायक आदित्य ठाकरे ने अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया है। यह बयान महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा अपने चचेरे भाई राज की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ अटकलों को संबोधित करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, ÷महाराष्ट्र के दिल में जो है, वहीं होगा।÷

वहीं आदित्य ने कहा, ÷हम लगातार यह कहते रहे हैं। हम किसी भी व्यक्ति, किसी भी पार्टी के साथ काम करने के लिए तैयार हैं जो महाराष्ट्र और मराठी भाषी लोगों के हित में काम को तैयार है।÷ उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर सत्तारूढ़ पार्टी पर ÷मुंबई और महाराष्ट्र को निगलने÷ और राज्य के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

आदित्य ने कहा, हमारी जिम्मेदारी बदलाव लाना है। कोई भी पार्टी जो महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है, उसे एक साथ आकर लड़ना चाहिए।

कभी करीबी रहे चचेरे भाई, वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बाद करीब दो दशक पहले अलग हो गए थे। हालांकि, उनके हालिया बयानों ने महाराष्ट्र में संभावित राजनीतिक पुनर्संयोजन की चर्चा को फिर से हवा दे दी है।

इस बीच, उद्धव ने जमीनी हालात की समीक्षा के लिए नेताओं की एक बैठक की। उन्होंने पार्टी नेताओं से मतदाताओं और नागरिकों तक कार्यक्रम ले जाने और समारोह आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जमीनी स्तर पर लोगों से संपर्क करते हुए और उनके मुद्दों पर आवाज उठाते हुए दिखना चाहिए।

उद्धव और राज ठाकरे के बीच संभावित गठबंधन को लेकर बढ़ती चर्चा पर मनसे नेता अमित ठाकरे ने कहा कि इसतरह के मामलों को सार्वजनिक बयानों के माध्यम से तय नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच केवल सीधी बातचीत ही किसी सार्थक नतीजे पर पहुंच सकती है।

अमित ने कहा, केवल दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए। इस मामले पर हमारी टिप्पणी से कुछ नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ आने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मैंने 2014 और 2017 में भी इसी तरह की बातचीत देखी है।

आने वाले एक सप्ताह भीषण गर्मी की मार, फिर पड़ेगी राहत की बौछार

-13 जून के बाद फिर गति पकड़ेगा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी से बेहाल लोगों के लिए मॉनसून अब तक आएगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। अब भारतीय मौसम विभाग ने इसका अनुमान जाहिर किया है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत अभी करीब हफ्ते भर गर्मी का प्रंचड रुप देखना होगा। इसके बाद बारिश की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली में अगले पांच दिनों में पारा 3-4 डिग्री सेल्सियस और ऊपर जाएगा। अनुमान है कि मंगलवार तक यह 44 डिग्री तक पहुंच जाएगा। इस तरह यह सीजन सबसे गर्म हफ्ता होगा। अभी तक दिल्ली में सबसे ज्यादा गर्मी 16 मई को पड़ी थी जब तापमान 42.3 रिकॉर्ड किया गया था।

मॉनसून बीते एक हफ्ते से आगे नहीं बढ़ा है। सूखी हवा के अवरोध के चलते 29 मई से मॉनसून की बढ़त थमी हुई है। अनुमान है कि अब 12 से 18 जून के हफ्ते में मॉनसून आगे बढ़ेगा। गौरतलब है कि अभी तक देश के कई हिस्सों में उस तरह से गर्मी नहीं पड़ रही है। इसका कारण दक्षिण पश्चिम मॉनसून का समय से पहला आना है। आमतौर पर मॉनसून जून के अंत तक देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच जाता है। वहीं, आठ जुलाई तक यह पूरे देश में पहुंच जाता है। दिल्ली मॉनसून पहुंचने की तारीख करीब 27 जून होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन ने कहा कि मॉडल्स बताते हैं कि करीब 12 जून तक मानसून बहुत कमजोर रहेगा। इसका कारण कमजोर मानसून प्रवाह और उत्तर-पश्चिमी दिशा से शुष्क हवा का प्रवेश है। अब मानसून की प्रगति के दौरान लंबे समय के लिए ठहराव देखा गया है। उन्होंने कहाकि हालांकि जून के तीसरे हफ्ते में यह फिर से जागृत हो सकता है।

इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने विभिन्न प्रदेशों के लिए हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। इसमें पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के नाम शामिल हैं। आईएमडी वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि वैसे देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान सामान्य से कम है। लेकिन अगले चार से पांच दिनों में इसमें बदलाव होगा। उन्होंने कहाकि नौ जून से राजस्थान और 10 जून से पंजाब के कुछ हिस्सों, हरियाणा, यूपी और मध्य प्रदेश में हीटवेव का दौर शुरू होने का अनुमान है। वहीं एक अन्य मौसम एजेंसी ने कहा कि इस क्षेत्र में मौसम तंत्र, जिसमें एक पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन शामिल हैं, दोनों कमजोर हो गए हैं। उन्होंने कहाकि मानसूनी बारिश 13 जून से शुरू होने लगेगी। तब तक करीब पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित पश्चिमी हिमालय में सूखे मौसम की स्थिति बनी रहेगी। 10 जून से दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के कुमार ने कहाकि तीन से चार दिनों के बाद, पूरे दक्षिणी प्रायद्वीप में मानसून फिर से सक्रिय होगा और केरल, कर्नाटका और तमिलनाडु में भारी बारिश लौटेगी।

मैं 22 वर्ष की उम्र से कप्तानी कर रहा हूं, मुझे इसमें मजा आता है : श्रेयस अय्यर

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले साल आईपीएल खिताब दिलाने के बाद इस साल पंजाब किंग्स को फाइनल में ले जाने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्हें कप्तानी पसंद है क्योंकि इससे वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाते हैं। अय्यर ने पंजाब किंग्स को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हुए 604 रन बनाए लेकिन इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके।

अय्यर ने सोबो मुंबई फाल्कंस को टी20 मुंबई लीग सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद कहा, 'कप्तानी से काफी परिपक्वता और जिम्मेदारी आती है। आपसे हमेशा अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है और आप टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहते हैं। किसी भी तरह की विषम परिस्थिति या प्रतिकूलता में टीम कप्तान के ही पास आती है।' उन्होंने कहा, 'मैं 22 वर्ष की उम्र से कप्तानी कर रहा हूं। मुझे इसमें मजा आता है।'

अय्यर ने कहा कि दबाव वाले हालात को वह चुनौती की तरह लेते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने जोन में जाने की कोशिश करता हूं। मैं प्रयास करता हूं कि पूरा फोकस रहे, वर्तमान में रहूं और हालात को देखकर प्रदर्शन करूं। मैं खुद से कहता रहता हूं कि मैं चाहता हूं कि दर्शकों की जुबां पर मेरा नाम हो और इससे मुझे प्रेरणा मिलती है।'

अय्यर ने कहा कि इस टूर्नामेंट में जाने पहचाने चेहरों के साथ खेलकर अच्छा लग रहा है जो उनके बचपन के दिनों के क्रिकेट के सफर में उनके साथ थे। उन्होंने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में कई जाने पहचाने चेहरे हैं। मैंने क्लब क्रिकेट में, स्कूल और कॉलेज में उनके साथ खेला है। फिर यहां उनके साथ खेलकर अच्छा लग रहा है।'

रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं 10 साल की अतीका

ट्रिनेच (चेक गणराज्य) (एजेंसी)। भारत की 10 वर्षीय रेसर अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में जगह बनाकर एक और उपलब्धि अपने नाम की। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। अक्सेल जीपी समर्थित अतीका ने सप्ताहांत में स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में नौवां स्थान हासिल किया।

फॉर्मूला वन से वित्तीय और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन कर अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। उन्हें हालांकि दो बंपर पेनाल्टी मिली लेकिन वह इसके बावजूद वह तीन हिट्स के बाद 10वें स्थान पर रहीं। भारत के पहले फॉर्मूला वन ड्राइवर नारायण कार्तिकेय से प्रशिक्षण लेने वाली अतीका ने रविवार को फाइनल से पहले बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों में अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। फाइनल में 10वें स्थान से शुरुआत करने वाली अतीका एक समय 14वें स्थान पर फिसल गयी थी लेकिन उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए रेस को नौवें पायदान के साथ खत्म किया।

अतीका ने कहा, 'मेरे लिए वह एक अद्भुत सप्ताहांत था। मैंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के साथ ड्राइविंग करके बहुत कुछ सीखा। सूखे मौसम में मेरी गति बहुत अच्छी थी और मैंने बारिश के बाद मुश्किल स्थिति में भी अच्छी प्रगति की।'

शेफर्ड और होल्डर ने आदिल ने एक ही ओवर में बनाये 31 रन

-इंग्लैंड के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच को चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 196 रन बनाये। इसे बाद इंग्लैंड ने ये लक्ष्य छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए इस मैच में ल्यूक वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। वहीं आदिल राशिद बेहद महंगे साबित हुए। राशिद ने एक ही ओवर में 31 रन दे दिये। यह टी-20 में किसी भी इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा किया गया दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया, इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में युवराज सिंह से छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे।

राशिद ने पारी का 19 ओवर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को किया। उनके ओवर की पहली ही गेंद पर होल्डर ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर भी छह रन गये। वहीं तीसरी गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगा। चौथी गेंद पर होल्डर ने एक रन बनाया। इसके बाद शेफर्ड ने पांचवीं गेंद और छठी गेंद पर छक्का लगाकर ओवर समाप्त किया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एविन लुईस जल्दी आउट हो गए पर शाई होप और जॉनसन चार्ल्स ने 90 रन बनाकर पारी संभाली। होप 49 रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रनों तक पहुंचा दिया। इंग्लैंड की ओर से टॉम बैंटन ने 30 रन और जैकब बेथेल ने 26 रन बनाये। दूसरे मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड को तीन मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हराया

ब्रिस्टल, (एजेंसी)। जॉस बटलर (47), कप्तान हैरी ब्रूक (34) और टॉम बैंटन (नाबाद 30) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को नौ गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत भी खबरा रही और उसने जेमी स्मिथ (चार) के रूप में अपना पहला विकेट गवां दिया। इसके बाद बेन डकेट और जॉस बटलर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। बेन डकेट 18 गेंदों में (30) रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड का तीसरा विकेट जॉस बटलर के रूप में गिरा। बटलर ने 36 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (47) रन बनाये। कप्तान हैरी ब्रूक ने 20 गेंदों में (34), जेकब बेथेल ने 10 गेंदों में

(26), विल जैक्स (11) रन बनाकर आउट हुये। टॉम बैंटन ने 11 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 30) रनों की पारी खेली। ब्राइडन कार्स (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट पर 199 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। रॉस्टन चेज,अकील हुसैन, जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एविन लुइस (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साई होप ने जॉनसन चार्ल्स के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 89 रनों की साझेदारी हुई। 11वें ओवर में आदिल रशीद ने साई होप 38 गेंदों में (49) रन को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। शरफेन रदरफोर्ड (छह) रन बनाकर आउट हुये। वेस्टइंडीज का तीसरा विकेट जॉनसन चार्ल्स 39 गेंदों में (47) रन के रूप में गिरा। रोवमन पॉवेल 15 गेंदों में (34) और रोमारियो शेफर्ड (19) रन बनाकर आउट हुये। जेसन होल्डर ने नौ गेंदों में (नाबाद 19) रनों की पारी खेली। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 196 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से ल्यूक वुड ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स, जेकब बेथेल और आदिल रशीद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में बन सकते हैं नये रिकार्ड

मुम्बई । भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में कई नये रिकार्ड बन सकते हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 13 विकेट चाहिये। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को भारत के खिलाफ 3000 रन बनाने के लिए केवल 154 रनों की जरुरत है। ये रन बनाते ही वह भारत के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इंग्लैंड की धरती पर सबसे अधिक 7 शतक सचिन तेंदुलकर के नाम है। उनकी सबसे यादगार पारियों में 1990 में मैनचेस्टर में 119 रन की नाबाद पारी थी। यह वो पारी थी, जिसने सभी हैरान हो गये थे। उनके साल 2002 में लीड्स में बनाए 193 रनों की पारी को भी कौन भूल सकता है। तेंदुलकर के बाद इंग्लैंड में सबसे अधिक शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर हैं। द्रविड़ और गावस्कर ने इंग्लैंड में 6-6 टेस्ट शतक लगाये हैं। वहीं विराट कोहली के नाम इंग्लैंड में 2 टेस्ट शतक हैं। विराट ने पहला शतक 2018 में नॉटिंघम में बनाया था जबकि दूसरा शतक 2018 में एजबेस्टन में लगाया था। वहीं रोहित शर्मा ने इंग्लैंड में केवल एक टेस्ट शतक लगाया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित है स्टीव स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने खुलासा किया है कि वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल खेलने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि दो महीने तक उन्होंने न्यूयॉर्क में छुट्टियां बिताईं और इस दौरान उन्होंने एक बार भी बल्ला हाथ में नहीं लिया। स्मिथ ने कहा कि आमतौर पर वह घर में एक बल्ला रखते हैं और कभी-कभी शैडो बैटिंग भी कर लेते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी तरह क्रिकेट से ब्रेक लेने का निर्णय लिया। स्मिथ ने बताया, मैंने यहां (डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के कैंप में) आने से पहले एक बार भी बल्ला नहीं छुआ। पहली बार बैट पकड़ना वाकई में अच्छा लगा। आमतौर पर यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन मैं जल्दी लय में लौट आया। दोनों अभ्यास सत्र शानदार रहे और सब कुछ अपने आप क्लिक करता चला गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्मिथ अब पूरी तरह तैयार हैं और उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। उन्होंने यह भी बताया कि वे शारीरिक रूप से पहले से बेहतर स्थिति में हैं। स्मिथ ने कहा, मैं 2014 के बाद पहली बार खुद को इतना फिट महसूस कर रहा हूं। मेरे कूल्हे एकदम ठीक हैं, मैं बेहतर तरीके से झुक सकता हूं, जो स्लिप में फील्डिंग करते समय मदद करेगा। यह शायद मेरी अब तक की सबसे अच्छी शारीरिक स्थिति है। स्मिथ के इस बयान से यह साफ है कि उन्होंने न सिर्फ मानसिक रूप से खुद को तरोताजा किया है, बल्कि शारीरिक रूप से भी खुद को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मैदान पर वापसी के साथ वे अपनी बल्लेबाजी से क्या कमाल दिखाते हैं। मालूम हो कि स्मिथ काफी समय से क्रिकेट से दूर थे और इस दौरान उन्होंने जानबूझकर बल्ला तक नहीं उठाया। चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल से बाहर होने के बाद स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी और इसके बाद से वे पूरी तरह क्रिकेट से दूर रहे।

ऋषभ और वेंकटेश ही नहीं , नटराज भी मोटी रकम मिलने के बाद फ्लाप रहे

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर खराब प्रदर्शन के लिए सबसे निशाने पर रहे हैं। इसका कारण है कि करोड़ों की राशि मिलने के बाद भी ये रन नहीं बना पाये। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा है जिसपर किसी का ध्यान नहीं गया क्योंकि उसने केवल 3 ओवर फेंके हैं और उसे करीब 11 करोड़ मिले हैं। इसके बाद भी वह आलोचना से बचा हुआ है। ये खिलाड़ी तेज गेंदबाज टी नटराज है। ऋषभ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स से 27 करोड़ मिले। वहीं, वेंकटेश अय्यर इस लीग के इतिहास के चौथे सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी थे। उनको कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा था। ऋषभने 14 मैचों में 269 रन बनाए और वेंकटेश अय्यर ने 11 मैचों की 7 पारियों में 142 रन बना सके। वहीं नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपये में नीलामी में खरीदा था पर इस गेंदबाज को केवल दो मैचों में खेलने का ही अवसर मिला। इनमें से भी एक मैच में गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि मैच बारिश में धुल गया था। एक मैच में गेंदबाजी आई, जिसमें अपने कोटे के चार ओवरों में से सिर्फ 3 ओवर किए और 49 रन दिए। इसमें भी उसे कोई विकेट भी नहीं मिला। इस तरह नटराज दिल्ली कैपिटल्स के सबसे महंगे गेंदबाज रहे।

पुर्तगाल बना नेशंस लीग चैंपियन, स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया

म्यूनिख (एजेंसी)। पुर्तगाल ने नेशंस लीग के रोमांचक फाइनल मुकाबले के 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को 5-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुर्तगाल ने दो बार पिछड़ने के बाद मैच के वापसी करते हुए स्कोर को 2-2 से बराबर किया जिसके बाद यह मुकाबला अतिरिक्त समय में खिंच गया। अतिरिक्त समय में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रही।

पेनल्टी शूट में शुरुआती तीन गोल के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने स्पेन के लिए अल्वारो मोराटा की चौथी पेनल्टी बचाई, फिर रुबेन नेवेस ने अपनी टीम की पांचवीं पेनल्टी को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। मोराटा एकमात्र खिलाड़ी था स्पॉट किक से गोल करने से चूक गए। अपने प्रयास के विफल होने के बाद वह भावनाओं पर काबू नहीं रख सकें और उनकी आंखें नम हो गई।

रोनाल्डो ने नियमित समय के 61वें मिनट में अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए करियर का 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल

करके पुर्तगाल को मुकाबले में बराबरी दिलाई। इससे पहले माइकल ओयारजाबल ने स्पेन को मध्यांतर से पहले तक बढ़त दिला दी थी। ओयारजाबल ने 45वें मिनट में पेड्री के बनाये मौके पर गोलकीपर कोस्टा को छकाते हुए स्पेन को मैच में दूसरी बार बढ़त दिलाई थी।

यूरोपीय चैंपियन स्पेन के आक्रमण में वह सामंजस्य और प्रवाह नहीं दिखा जो उसने बृहस्पतिवार को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में 5-4 की जीत में दिखाया था। मैच के 21 में मिनट में टीम को किस्मत का साथ मिला जब युवा लामिने यामल के क्रॉस से निपटने में पुर्तगाल की रक्षापंक्ति नाकाम रही और मार्टिन जुबिमेंडी ने उसे गोल में बदल दिया। इसके पांच मिनट के बाद ही हालांकि नूनो मेंडेस ने गोल कर स्कोर को बराबर कर दिया। मेंडिस को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

इस 22 साल के खिलाड़ी ने टीम के लिए पहला गोल करने के बाद रोनाल्डो के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और पूरे मैच के दौरान यामल पर नियंत्रण बनाये रखने में अहम योगदान दिया। उन्होंने पेनल्टी शूटआउट में आत्मविश्वास के साथ अपने मौके को गोल में बदला। इससे पहले कप्तान काइलियान एमबाप्पे के शानदार खेल के दम पर फ्रांस ने तीसरे स्थान के मैच में जर्मनी को 2-0 से हराया। रीयाल मैड्रिड के स्ट्राइकर एमबाप्पे ने अपने करियर का 50वां अंतरराष्ट्रीय गोल करने के साथ दूसरे गोल में सहायक की भूमिका अदा की जिससे फ्रांस ने जर्मनी को उसके घरेलू मैदान पर शिकस्त दी। मैच के शुरुआती हाफ में दबदबा बनाने के बावजूद जर्मनी की टीम गोल करने में विफल रही। औरेलियन चोउमेनी ने मध्यांतर से ठीक पहले क्लब टीम के साथी एमबाप्पे के लिए मौका बनाया जिसे इस दिग्गज खिलाड़ी ने गोल में बदल दिया। एमबाप्पे के बनाये मौके पर मैच के 84वें मिनट में स्थानापन्न माइकल ओलिसे ने गोल कर फ्रांस को दो गोल की बढ़त दिला दी।

वसीम अकरम की मूर्ति को लेकर खड़ा हुआ विवाद

हैदराबाद । पाकिस्तान के हैदराबाद शहर स्थित नियाज स्टेडियम में स्थापित दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम की मूर्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, मूर्ति का अनावरण अप्रैल 2025 में होना प्रस्तावित था, लेकिन इससे पहले ही इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिसके बाद प्रशंसकों ने मूर्ति के चेहरे की बनावट पर सवाल उठाते हुए जमकर आलोचना की। मूर्ति में अकरम को उनके विशिष्ट गेंदबाजी एक्शन में दिखाया गया है, जिसमें वह 1999 के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की पाकिस्तान टीम की आधिकारिक जर्सी पहने नजर आ रहे हैं। वायरल हुई तस्वीरों में मूर्ति का चेहरा वसीम अकरम से मेल नहीं खा रहा, जिस वजह से यह इंटरनेट पर मीम्स और मजाक का विषय बन गया है। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कमेंट करते हुए लिखा कि ऐसा लगता है मानो वसीम अकरम को सिल्वेस्टर स्टेलोन के चेहरे के आधार पर गढ़ा गया हो। वहीं, एक अन्य यूजर ने अकरम की पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे अपनी टीम के खराब प्रदर्शन से खिन्न दिख रहे हैं, और मजाक में लिखा, 卐वसीम अकरम अभी।卐 कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस मूर्ति को अपडेट कराने की सलाह तक दे डाली। वसीम अकरम का क्रिकेट में योगदान बेहद अहम रहा है। उन्होंने 1984 से 2003 के बीच पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और अपने करियर में 414 टेस्ट और 502 वनडे विकेट चटकाए। उन्हें न केवल पाकिस्तान का बल्कि विश्व क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ का तेज गेंदबाज माना जाता है। 1992 के विश्व कप में उनकी भूमिका निर्णायक रही थी, जहां उन्होंने 10 मैचों में 18 विकेट लेकर पाकिस्तान को पहली और अब तक की एकमात्र वनडे विश्व कप ट्रॉफी जिताने में बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, उन्होंने 1999 में पाकिस्तान को विश्व कप फाइनल तक पहुंचाया, हालांकि वह खिताब जीतने में असफल रहे। मगर जिस मूर्ति के जरिए उनकी उपलब्धियों को सम्मानित किया जाना था, वही अब आलोचना का विषय बन गई है।

राहुल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरी पारी में भी अर्धशतक लगाया

नॉर्थेम्प्टन । केएल राहुल ने यहां इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की ओर से दूसरे मैच में भी शानदार बल्लेबाजी की है। पहली पारी में शतक लगाने वाले राहुल ने दूसरी पारी में भी अर्धशतक लगाया। इससे अब राहुल ने 20 जून से शुरु हो रहे पहले टेस्ट के लिए सलामी बल्लेबाजी के तौर पर अपनी दावेदारी पेश की है। राहुल ने दूसरे अनअधिकृत मैच के तीसरे दिन दूसरी पारी में 51 रन बनाये। राहुल ने यशस्वी के साथ पहले विकेट के लिए 11 रन की साझेदारी की जबकि कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 88 रन बनाये। वहीं ईश्वरन ने भी शानदार अर्धशतक लगाया। वहीं दूसरी पारी में करुण नायर केवल 15 रन ही बना पाये। इंडिया ए ने दिन का खेल समाप्त हो के समय तक दूसरी पारी में 4 विकेट पर 163 रन बना लिए थे। ध्रुव जुरेल 6 रन और नीतीश कुमार रेड्डी एक रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं अभिमन्यु ईश्वरन ने 80 रन बनाये। राहुल ने पहली पारी में 168 गेंदों पर से 15 चौकों और एक छक्का लगाकर 116 रन बनाये थे। राहुल का लय हासिल करना भारतीय टीम के लिए अच्छा संकेत हैं।

सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारे भारतीय टीम : क्लार्क

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन को भारतीय टीम तीसरे नंबर पर उतारे। सुदर्शन ने आईपीएल के 18 वें सत्र में 15 मैचों में सबसे ज्यादा 759 रन बनाए हैं। इसी के बाद सुदर्शन को इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में जगह मिली थी। वहीं भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इस सीरीज में विराट कोहली की जगह पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नजर आ सकते हैं। विराट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्लार्क ने कहा, मेरे लिए साई सुदर्शनसुपरस्टार है मुझे लगता है कि वह टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर के लिए है। मेरे हिसाब से आने वाले समय में वह भारत के लिए टी20 और वनडे में पारी की शुरुआत करने वाला है। वह उनकी टेस्ट टीम में हैं। उन्हें इंग्लैंड में पहली बार अवसर मिला है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन का प्रदर्शन शानदार रहा था। इस क्रिकेटर ने 15 मैचों में 54.21 के औसत से 759 रन बनाए थे। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए सत्र में एक शतक और 6 अर्धशतक लगाए थे। गुजरात की टीम प्लेऑफ में चौथे नंबर पर रही थी। क्लार्क ने कहा, मुझे लगता है कि वह टीम में सीधे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकता है। मुझे लगता है कि तकनीकी रूप से वह बहुत अच्छा है, उसके पास सभी शॉट हैं और मानसिक रूप से वह तैयार है। उसने मुझे वास्तव में प्रभावित किया और वह एक अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी भी है।

मैगनस कार्लसन नें रिकॉर्ड 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब , गुकेश रहे तीसरे स्थान पर

स्टावेंगर , नॉर्वे (एजेंसी)। साल के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट नॉर्वे शतरंज का अंत बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ जहां खिताब के दोनों प्रमुख दावेदार विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन और डी विश्व चैम्पियन डी गुकेश को हार का सामना करना पड़ा और ऐसे में कार्लसन विजेता बनने में कामयाब रहे।

अर्जुन नें रोका कार्लसन का रथ - भारत के नंबर एक और दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी सफ़ेद मोहरो से मैगनस का सामना कर रहे थे , पिछली बार वह कार्लसन से पांचवें राउंड में पराजित हो गए थे इस बार सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए पहले तो उन्होने कार्लसन से क्लासिकल में ड्रॉ पर रोका और फिर उन्हे टाईब्रेक आर्मगेडेन में मात देते हुए जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंको पर पहुँच गए। ऐसे में गुकेश के पास मौका था की वह कारुआना को हराए और विजेता बन जाये।

करूआना के खिलाफ गुकेश नें काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में थोड़ा हटकर रास्ता बनाने की कोशिश की और राजा को वजीर के हिस्से में किलेबंदी करके ले गए जबकि करूआना नें राजा के हिस्से में किलेबंदी करते हुए अपने राजा को रखा और गुकेश पर हमला करना शुरू कर दिया। उन्होने अपना हाथी देकर गुकेश का एक ऊंट और घोडा ले लिया , इन सबके बावजूद गुकेश नें अपना एक प्यादा तेजी से वजीर बनाने के लिए आगे बढ़ा दिया और खेल की 48वीं चाल में जब गुकेश के पास सिर्फ 7 सेकंड बाकी थे वह बड़ी गलती कर बैठे अपना हाथी मुफ्त में दे बैठे और इस तरह वह ख़िताबी दौड़ से बाहर होकर 14.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रहे

और कार्लसन 16 अंको के साथ विजेता जबकि करूआना 15.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यूएसए के हिकारु नाकामुरा 14 अंक बनाकर चौथे, अर्जुन 13 अंक बनाकर पांचवें और चीन के वे यी 9.5 अंक बनाकर आखिरी छठे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग - उक्रेन की एना मुज़्युचुक नें जीता खिताब , भारत को हम्पी तीसरे स्थान पर रही

महिला वर्ग में उक्रेन की एना 16.5 अंक बनाकर खिताब जीतने में सफल रही भारत की आर वैशाली नें उन्हे अंतिम दिन क्लासिकल में ड्रॉ खेलने के बाद टाईब्रेक में पराजित किया पर

एना सर्वाधिक अंको के साथ पहला स्थान हासिल करने में सफल रही । हालांकि की भारत की कोनेरु हम्पी नें शानदार खेल दिखाया और विश्व चैम्पियन चीन की जु वेंजून को टाईब्रेक में हराकर 1.5 और जोड़े पर वह 15 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रही जबकि चीन की लेई टिंगजे 16 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। विश्व चैम्पियन जु वेंजून 13.5 अंको के साथ चौंथे , वैशाली 11 अंको के साथ पांचवें और स्पेन की सरासदात 9 अंक बनाकर आखिरी स्थान पर रही।

धूम 4 में नए लुक में नजर आएंगे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर फिल्म धूम 4 में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में उनका लुक पूरी तरह से नया और अलग होगा, जिसकी तैयारी उन्होंने शुरू भी कर दी है। अब हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि धूम 4 अब तक की सभी धूम फिल्मों से बड़ी साबित होने वाली है और इसकी कहानी भी काफी एक्शन से भरपूर होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य चोपड़ा धूम 4 की कहानी और स्क्रीनप्ले श्रीधर राघवन के साथ मिलकर तैयार कर रहे हैं। वे फिलहाल ऐसी कहानी के ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जो इस रीबूट (किसी पुरानी फिल्म, सीरीज या फ्रेंचाइजी को नई शुरुआत देना) को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरे। रिपोर्ट में रणबीर और उनके रोल के बारे में कहा कि रणबीर इस फिल्म के लिए बिल्कुल सही हैं। उनका रोल उनकी पर्सनैलिटी के हिसाब से बनाया गया है। नई धूम फिल्म की एक्शन और कहानी ऐसी होगी जो दुनिया के बेहतरीन एक्शन फिल्मों के स्तर पर खड़ी होगी। साथ ही इस फिल्म का अंदाज और दिखावट पहले की ड्ढऋस्न स्पाई यूनिवर्स फिल्मों से पूरी तरह अलग होगा। वहीं, 2026 की गर्मियों से धूम 4 की शूटिंग शुरू करेंगे

फैंस ने जताई खुशी

इस अनाउंसमेंट के बाद यूजर्स के रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। कुछ ने फिल्म में रणबीर कपूर के होने पर खुशी जताई है, जबकि कुछ ने फिल्म में ऋतिक रोशन को कास्ट करने की मांग की है। बताते चलें कि धूम फ्रेंचाइजी की 3 फिल्में, धूम, धूम 2 और धूम 3 रिलीज हो चुकी हैं। पहली फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, उदय चोपड़ा अहम किरदारों में थे, जबकि दूसरी फिल्म धूम 2 में अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय लीड रोल में थे। साल 2013 में रिलीज हुई धूम 3 में आमिर खान ने डबल रोल निभाया था, जबकि उनके साथ कटरीना कैफ भी थीं।

रणबीर कपूर के खाते में कई बड़ी फिल्में

आने वाले सालों में रणबीर कपूर कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। फिलहाल उनके पास नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही मेगाबजट फिल्म रामायण है, जिसमें वो भगवान श्री राम का रोल प्ले करेंगे। इसके अलावा वो संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पार्क में भी नजर आने वाले हैं। कुछ समय पहले ही रणबीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर साइन की है, जिसमें वो विक्की कौशल और आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाले हैं। साथ में वो ब्रह्मास्त्र: पार्ट 2 देव में भी दिखेंगे।

श्रीलीला को साउथ में झटका, दो बड़ी फिल्मों से हुई बाहर

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों मीनाक्षी चौधरी का जलवा साफ दिख रहा है। 'लकी भास्कर' में दुलकर सलमान के साथ और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स' में विजय के साथ अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुकी मीनाक्षी साउथ सिनेमा के निर्देशकों की पहली पसंद अरसे से रही हैं। लेकिन, बैक टू बैक दो फिल्मों में उन्हें जब से श्रीलीला की जगह कास्ट किया गया है, इस कास्टिंग कू की हलचल मुंबई तक चर्चा का विषय बन रही है।

एक समय था जब दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में श्रीलीला का जादू सिर चढ़कर बोल रहा था, खासकर 'किस्सिक' जैसे हिट गीतों के चलते। लेकिन अब उसी स्पॉटलाइट में मीनाक्षी चौधरी की दमदार मौजूदगी नजर आ रही है। मीनाक्षी ने हाल ही में श्रीलीला को दो बड़ी फिल्मों से रिप्लेस किया है, और यह कोई संयोग नहीं बल्कि उनके बढ़ते प्रभाव का परिचायक है। पहली फिल्म है निर्देशक कार्तिक डंडू की अगली फिल्म जिसमें मीनाक्षी को नागा चैतन्य के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया है। बताया जा रहा है कि 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' में उनके शानदार अभिनय को देखकर ही निर्माता-निर्देशक उन्हें पहली पसंद मान रहे थे। आखिरकार, वही हुआ। मीनाक्षी को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर फाइनल कर लिया गया। दूसरी फिल्म है 'अनगनागा ओका राजू', जिसमें पहले श्रीलीला को नवीन पोलीशेट्टी के साथ कास्ट किया गया था। टीज़र रिलीज होने के बाद भी फिल्म कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चली गई थी, वजह बनीं श्रीलीला की डेट्स की परेशानी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, मीनाक्षी ने न केवल फिल्म में जगह बनाई, बल्कि नए टीजर में उनकी और नवीन की ताजगी से भरी कैमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। सूत्रों की मानें तो तेलुगु और तमिल फिल्म जगत के साथ साथ हिंदी सिनेमा की भी 2026 में रिलीज होने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मीनाक्षी पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। श्रीलीला भले इन दिनों टी सीरीज की अनाम फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर रही हों, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों की मानें तो उनकी शोहरत और उनकी काबिलियत में संतुलन बनता दिख नहीं रहा। श्रीलीला का नाम पहले फिल्म'स्पिरिट' के लिए भी चला था लेकिन तृप्ति डिमरी ने वहां बाजी मार ली।

खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं

कैंसर से जंग जीत चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने प्रशंसकों को प्रेरित करते हुए कहा है कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिम की तीन तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ एथलीजर पहने नजर आईं। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए शरीर, मन और आत्मा की देखभाल को प्राथमिकता देने की बात कही। शेयर की गई तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, शायद मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से अपनी सेहत और खुशी के लिए समर्पित हूं, मैंने ध्यान देना शुरू कर दिया है। मनीषा ने जीवन में उन्हें फिटनेस और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिए के लिए प्रेरित करने वाली दोस्त नमग्याल सिंह का आभार जताते हुए कहा, जीवन में ऐसी बेहतरीन दोस्त को पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करती है। वह न केवल फिटनेस में बल्कि इस बात में भी कि कैसे वह जीवन के सबसे कठिन समय को ताकत और मुस्कान के साथ हरा देती हैं। मेरी दोस्त की ताकत और मुस्कान मुझे सिखाती है कि मुश्किल वक्त को भी हिम्मत से पार किया जा सकता है। 1991 में फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मनीषा 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। '1942- ए लव स्टोरी', 'दिल से', 'खामोशी- द म्यूजिकल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें खूब शोहरत दिलाई।

सनी कौशल का रैप डेब्यू मिड एयर फ्रीवर्स हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्टर सनी कौशल ने अपना नया रैप गाना मिड एयर फ्रीवर्स आज रिलीज़ किया , यह गाना उन्होंने मास अपील नाम की म्यूजिक कंपनी के साथ मिलकर बनाया है। शिद्दत फिल्म से पहचान बनाने वाले सनी ने इस गाने के बोल खुद लिखे हैं और इसे गाया भी है। गाने में सनी का पंजाबी अंदाज़ साफ नजर आता है। उनकी आवाज भी बहुत जबरदस्त है जो गाने को और खास बनाती है। वीडियो में सनी ब्लैक सूट, दाढ़ी और स्टाइलिश चश्मे में बहुत स्मार्ट लग रहे हैं। उनका लुक गाने की वाइब से पूरी तरह मेल खाता है। सनी कौशल ने कहा- ये एक बहुत मजेदार गाना है। मैंने इसे दिल से बनाया है और मुझे इसे बनाते हुए बहुत मजा आया। उम्मीद है कि लोगों को भी इसे सुनकर उतना ही मजा आएगा। मास अपील के हेड नवजोत सिंह ने कहा- जब सनी के साथ इस गाने पर काम करने का मौका मिला, तो हमने तुरंत हां कह दिया। गाना बहुत अच्छा था और सनी का म्यूजिक को लेकर जोश देखकर हमें भरोसा हो गया कि ये सभी को पसंद आएगा। सनी कौशल अब तक शिद्दत, फिर आई हसीन दिलरुबा, मिली जैसी फिल्मों में अपने अलग-अलग किरदारों से लोगों को इम्प्रेस कर चुके हैं। लेकिन इस नए गाने में उन्होंने खुद को एक नए अंदाज़ में दिखाया है जो पहले कभी नहीं देखा गया। सनी ने गाने का टीज़र एक दिन पहले शेयर किया था, जिसे देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हो गए। उनका स्टाइल और लुक सभी को बहुत पसंद आया।

'द इंडिया स्टोरी' के जरिए सोलो हीरो में वापसी

श्रेयस तलपड़े हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'कपकपी' में नजर आए हैं। इस फिल्म में उनकी और तुषार कपूर के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली है। श्रेयस 'हाउसफुल 5' भी आने वाली है। हाल ही में बातचीत के दौरान श्रेयस ने फिल्म की शूटिंग के अनुभव और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

फिल्म 'कपकपी' की तुलना 'स्त्री से हो रही है, इस पर आपका क्या कहना है?

यह तो होता ही रहता है। 'स्त्री का कंपैरिजन किसी और से हुआ था। अब रेफरेंस के लिए कहीं न कहीं यह चीजें तो होती ही रहेंगी। मुझे लगता है हर फिल्म की एक अपनी आइडेंटिटी होती है, डेस्टिनी होती है।

फिल्म 'कपकपी' में तुषार कपूर के साथ फिर से काम करने का अनुभव कैसा रहा?

तुषार के साथ शूट करना हमेशा ही अच्छा लगता है। वह मेरे दोस्त हैं। हम उम्र भी हैं और साथ में पहले बहुत सारा काम कर चुके हैं सो एक कंफर्ट लेवल है काम करने का। इस बार दोनों के रोल बड़े अलग थे। तुषार का तो बहुत जबरदस्त रोल है।

'इमरजेंसी में आप अटल जी के रोल में दिखे। क्या आगे कोई बायोपिक करने की योजना है?

बायोपिक हिंदी में अभी तक तो नहीं है, मराठी में एक दो बायोपिक पर काम चल रहा है। अच्छा स्क्रिप्ट स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। बाकी अटल बिहारी वाजपेयी जी के रोल के लिए लोगों का जो प्यार मिला। उसके लिए आभारी हूं। मेरी कोशिश थी कि उस फिल्म में जितना रोल मिला, जितनी स्क्रीन स्पेस मिला, उसे बतौर अटल शिद्दत से प्ले करूं और मैंने किया भी।

क्या दर्शक आपको सोलो एक्शन हीरो के रूप में देखेंगे?

जरूर देखेंगे। एक फिल्म है जिसका नाम है ''द इंडिया स्टोरी जिसमें मैं हूं और काजल अग्रवाल है। वह फिल्म भी तैयार हो रही है। अगले साल तक रिलीज भी होगी। उसमें दर्शक मेरा एक अलग तरह का रूप देखेंगे।

क्या कोई नया साउथ प्रोजेक्ट साइन किया है?

नहीं, अभी अभी नहीं, फिलहाल तो यह 'पुष्पा तक ही किया है। इसके दो पार्ट्स किए हैं और वह जो 'द लायन किंग आपने मेंशन किया है उसके दो पार्ट किए हैं। यह तो डबिंग के तौर पर था, लेकिन बतौर एक्टर एक साउथ में फिल्म की है जो एक्चुअली कन्नड़ प्रोड्यूसर की है। फिल्म हिंदी में है, लेकिन हिंदी के साथ-साथ अलग-अलग लैंग्वेज में भी डब होगी। उसका पोस्ट प्रोडक्शन चल रहा है। बाकी मैं खुद को बहुत खुशनसीब समझता हूं कि एक डब की हुई फिल्म के लिए मुझे जितना प्यार मिला है, जितनी सराहना मिली है, शायद ही किसी को ऐसा प्यार मिलता है।

'इंडियन आइडल 2' में हुईं रिजेक्ट, एआर रहमान संग किया काम; बन गईं क्वीन ऑफ रीमिक्स

आज नेहा कक्कड़ बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर्स में शामिल हैं लेकिन यह जर्नी उनके लिए आसान नहीं रही है। ऋषिकेश में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ी नेहा कक्कड़ ने 4 साल की उम्र से माता रानी के जगरातों में गाना शुरू कर दिया था। साल 2004 में वह अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई शिफ्ट हो गईं। नेहा कक्कड़ की बड़ी बहन सोनू भी सिंगर हैं, नेहा अक्सर अपने इंटरव्यू में कहती हैं कि बहन से म्यूजिक के बारे में काफी कुछ सीखा है। नेहा का भाई टोनी कक्कड़ भी बॉलीवुड में पॉपुलर सिंगर-कंपोजर है। इस तरह ये भाई-बहनों की जोड़ी बॉलीवुड में छा चुकी है। लेकिन नेहा कक्कड़ ने अपने लिए एक अलग मुकाम बना लिया है। एक नजर सिंगर नेहा कक्कड़ की करियर जर्नी पर। नेहा कक्कड़ ने साल 2005 में 'इंडियन आइडल 2' में हिस्सा लिया था। ऑडिशन राउंड में ही उन्हें अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला। फिर भी वह शो में सेलेक्ट हुईं लेकिन जल्द ही बाहर हो गईं। इस रिजेक्शन से नेहा हारी नहीं, वह खुद पर काम करती रहीं। आगे चलकर अपना पहला एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार(2008)' मीत ब्रदर्स के साथ मिलकर निकाला। इसी साल नामी सिंगर सुखविंदर के साथ 'हे रामा' नाम का गाना फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' फिल्म के लिए गाया।

ऐसे बनीं बॉलीवुड की पॉपुलर सिंगर

साल 2009 में अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'ब्लू' के थीम सॉन्ग में गाने का मौका नेहा कक्कड़ को मिला। जिस गाने को नेहा ने गाया, उसे ए आर रहमान ने तैयार किया। इस गाने के बाद नेहा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। नेहा ने आगे 'कॉकटेल', 'यारियां', क्वीन, ब्रदीनाथ की दुल्हनिया, सिंबा जैसी कई हिट फिल्मों में चार्टबस्टर सॉन्ग गाए हैं। साथ ही वह अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए भी चर्चा में रहती हैं।

नेहा कक्कड़ ने कई फिल्मों में पुराने गानों के रीमिक्स भी गाए हैं। इस वजह से वह क्वीन ऑफ रीमिक्स कहीं जाने लगी हैं। इस टैग के बारे में नेहा कक्कड़ ने अपने एक इंटरव्यू में कुछ साल पहले कहा था, 'मैंने 'साकी साकी', 'दिलबर ' और 'तू चीज बड़ी है मस्त' जैसे रीमिक्स सॉन्ग फिल्मों के लिए गाए हैं। ऑडियंस ने इन गानों के लिए खूब प्यार भी दिया है। मुझे भी पुराने गाने पसंद हैं इसलिए इनके रीमिक्स मन से गाती हूं।' आगे भी नेहा की ख्वाहिश कई पुराने हिट सॉन्ग को रिमिक्स करके गाने की है।

चर्चा में रही लव लाइफ भी

नेहा कक्कड़ सिर्फ अपनी सिंगिंग के लिए ही लाइमलाइट में नहीं रहीं, वह अपनी लव लाइफ के कारण भी खबरों में बनी रही हैं। साल 2014 में एक्टर हिमांश कोहली के साथ उनका लव अफेयर चर्चा में रहा। शादी करने की घोषणा भी दोनों कर चुके थे, फिर अचानक इनका ब्रेकअप हो गया। हिमांश कोहली के बाद नेहा की जिंदगी में पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह की एंट्री हुई। नेहा कक्कड़ की जिंदगी में फिर प्यार की बहार आई। रोहनप्रीत के साथ साल 2020 में नेहा कक्कड़ ने शादी कर ली। नेहा कक्कड़ ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'रोहन बहुत प्यारे इंसान हैं। वह कभी कुछ गलत नहीं करते हैं।' नेहा और रोहन साथ में कई म्यूजिक एल्बम भी कर चुके हैं। जिन्हें नेहा कक्कड़ के फैंस काफी पसंद करते हैं। नेहा को नेहू के नाम से उनके फैंस बुलाते हैं। इस नाम से सोशल मीडिया पर कई फैन पेज भी चलते हैं। खुद नेहा कक्कड़ भी इंस्टाग्राम पर रोहन और अपनी रोमांटिक तस्वीरें साझा करती हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक करते हैं।

लोकेश की फिल्म का हिस्सा बने आमिर खान

आ मिर खान इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। आमिर जल्द ही लियो के निर्देशक लोकेश के साथ फिल्म करने वाले हैं। खुद मीडिया से हुई हालिया बातचीत में आमिर ने इस पर अपनी मोहर लगा दी है। आमिर की ये फिल्म सुपरहीरो पर बेस्ड होगी। कुछ ऐसा होगा, जो इससे पहले आमिर ने कभी नहीं किया। आमिर ने बताया कि लोकेश संग उनकी फिल्म फाइनल हो चुकी है। दादा साहेब फाल्के की बायोपिक का काम निपटाने के बाद वह अगले साल के मध्य तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि, आमिर ने फिल्म की कहानी पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि इस बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।

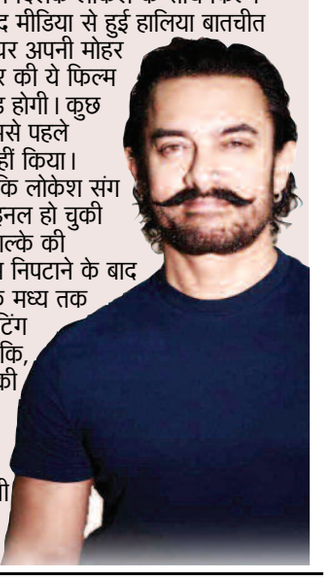

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।